दैनिक
क्यूँ न लिखूँ सच
प्रातः कालीन
मुरादाबाद से प्रकाशित
बर्षः- 05
अंकः- 165
मुरादाबाद
(Monday)
06 October 2025
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

गृह मंत्री अमित शाह बोले- बारिश से प्रभावित किसानों को हर संभव मदद देगी मोदी सरकार

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले में डॉ. विठ्ठलराव विखे पाटिल शुगर फैक्ट्री के विस्तारित संयंत्र का उद्घाटन कर किसानों को संबोधित किया है। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत का चीनी सहकारी क्षेत्र तेजी से आगे बढ़ा है।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार महाराष्ट्र के बारिश से प्रभावित किसानों को हर संभव सहायता प्रदान करेगी। शाह ने यह बात डॉ. विठ्ठलराव

विखे पाटिल कोऑपरेटिव शुगर फैक्ट्री की विस्तारित क्षमता के उद्घाटन के बाद किसानों की रैली को संबोधित करते हुए कही। इससे पहले महाराष्ट्र के एक दिवसीय दौरे पर आए केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शिरडी स्थित साईंबाबा मंदिर में रविवार को पूजा-अर्चना की। अमित शाह के साथ राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे एवं अजित पवार तथा अन्य लोग भी मौजूद रहे। अमित शाह ने कहा, मैंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजित पवार के साथ विस्तृत बैठक की। प्रधानमंत्री मोदी की ओर से मैंने उन्हें आश्वासन दिया है कि जैसे ही हमें विस्तृत रिपोर्ट मिलेगी, प्रधानमंत्री मोदी महाराष्ट्र के किसानों की मदद में कोई देरी नहीं करेंगे।उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार ने पिछले वर्ष की सहायता राशि में से 3,132 करोड़ रुपये जारी किए हैं, जिसमें अप्रैल 2025 में 1,631 करोड़ रुपये शामिल हैं। इसके अलावा, महाराष्ट्र सरकार ने भी 2,215 करोड़ रुपये की राहत राशि वितरित की है,

जिससे 31 लाख से अधिक किसानों को लाभ मिला है। शाह ने कहा कि राज्य सरकार किसानों की परेशानी कम करने के लिए कई कदम उठा रही है। उन्होंने बताया, महाराष्ट्र सरकार ने प्रत्येक बाढ़ प्रभावित परिवार को ?10,000 नकद सहायता और 35 किलो खाद्यान्न दिया है। साथ ही कर्ज वसूली पर रोक, ई-केवाईसी नियमों में अस्थायी ढील, और राजस्व कर व स्कूल फीस में राहत दी गई है। शाह ने किसानों को भरोसा दिलाया कि केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर किसानों को हर संभव सहायता और पुनर्वास प्रदान करेंगी। मोदी सरकार में फली-फूली चीनी सहकारी क्षेत्र- अमित शाह- केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस दौरान कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत का चीनी सहकारी क्षेत्र तेजी से आगे बढ़ा है। अमित शाह ने कहा कि अब चीनी मिलें ऑफ-सीजन में मल्टी-फीड एथेनॉल उत्पादन पर जोर दें। उन्होंने बताया कि एथेनॉल मिश्रण नीति से सहकारी कारखानों की आर्थिक स्थिति सुधरी है। अमित शाह ने महाराष्ट्र के किसानों को हाल की भारी बारिश से हुए नुकसान पर हर संभव मदद का आश्वासन दिया और राज्य के नेताओं की पहल की सराहना की। शनिवार रात शाह की फडणवीस और पवार के साथ बैठक- शनिवार रात शिरड़ी पहुंचे अमित शाह ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और राज्य के उपमुख्यमंत्रियों एकनाथ शिंदे तथा अजित पवार के साथ शिरडी में बैठक की। सूत्रों के मुताबिक, शनिवार देर रात लगभग 45 मिनट तक चली यह बैठक महाराष्ट्र के कई हिस्सों में भारी बारिश के कारण फसलों को व्यापक पैमाने पर हुए नुकसान और प्रभावित किसानों को तत्काल वित्तीय राहत देने की आवश्यकता पर केंद्रित रही। सूत्रों ने बताया कि नेताओं ने कई विकास परियोजनाओं और प्रमुख प्रशासनिक मामलों की प्रगति की भी समीक्षा की। हाल में व्यापक स्तर पर बेमौसम और अत्यधिक वर्षा के कारण कई जिलों में फसलों को भारी नुकसान हुआ है जिसके बाद से तत्काल सरकारी सहायता की मांग बढ़ रही है। किसानों के लिए एक बड़े राहत पैकेज की घोषणा जल्द ही किए जाने की उम्मीद है।

दार्जिलिंग में बारिश से तबाही: भूस्खलन और पुल टूटने की घटना में 10 लोगों की मौत; राष्ट्रपति-पीएम ने जताया दुख

दार्जिलिंग में लगातार भारी बारिश ने तबाही मचा दी है। तेज बारिश के कारण बड़े पैमाने पर भूस्खलन हुए, जिसमें अब तक 10 लोगों की मौत हो गई और कई गांवों से पूरी तरह से संपर्क कट गया है। वहीं राष्ट्रपति मुर्मू और प्रधानमंत्री मोदी ने इस घटना में हुई जनहानि पर दुख जताया है।उत्तर बंगाल में लगातार भारी बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त है। दार्जिलिंग जिले में हुए भूस्खलन और पुल टूटने की घटनाओं में अब तक 10 लोगों की मौत हो गई है और दो लोग लापता बताए जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, मिरिक और सुखिया क्षेत्रों में भूस्खलन के कारण कई लोग हताहत हुए हैं। इस हादसे के बाद दार्जिलिंग जिला पुलिस राहत और बचाव कार्य में जुटी हुई है। वहीं कालिम्पोंग में स्थिति अब भी गंभीर बनी हुई है। लगातार बारिश से कई इलाकों का संपर्क टूट गया है और सड़क यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ है। पीएम मोदी ने जनहानि पर जताया दुख- प्रधानमंत्री मोदी ने दार्जिलिंग में पुल ढहने की घटना पर दुख जताया है। पीएम मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा- दार्जिलिंग में एक पुल दुर्घटना में हुई जान-माल की हानि से अत्यंत दु:खी हूं। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति संवेदना। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। भूस्खलन के मद्देनजर दार्जिलिंग और आसपास के इलाकों की स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है। हम प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।राष्ट्रपति ने भी हादसे पर जताया दुख राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस हादसे पर दुख जताया है। एक्स पर राष्ट्रपति भवन की तरफ से किए पोस्ट में लिखा गया- पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में भारी बारिश और भूस्खलन के कारण हुई दुखद जनहानि अत्यंत दुखद है। मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करती हूं। मैं बचाव एवं राहत कार्यों की सफलता की प्रार्थना और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं।लोहे का पुल ढहा, आवाजाही हुई बाधित पश्चिम बंगाल में भारी बारिश के कारण दुधिया में लोहे के पुल का एक हिस्सा ढह जाने के बाद सिलीगुड़ी-दार्जिलिंग एसएच-12 सड़क पर वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित कर दी गई है। सीएम ममता बनर्जी ने जताया दुख, टोल फ्री नंबर जारी पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस घटना पर दुख जताते हुए एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, %मैं बहुत चिंतित हूं कि कल रात कुछ घंटों के भीतर अचानक भारी बारिश के कारण उत्तर बंगाल और दक्षिण बंगाल दोनों के कई इलाके बाढ़ में डूब गए हैं, साथ ही बाहर से हमारे राज्य में अत्यधिक नदी का पानी आ गया है... राज्य मुख्यालय और जिलों में 24म7 नियंत्रण कक्ष हैं। कृपया मेरे नबान्न आपदा प्रबंधन नियंत्रण कक्ष से +91 33 2214 3526 और +91 33 2253 5185 पर संपर्क करें, जबकि टोल फ्री नंबर +91 86979 81070 और 1070 हैं।

संक्षिप्त समाचार

कलाईनार यूनिवर्सिटी बिल पर सुप्रीम कोर्ट पहुंची स्टालिन सरकार, राज्यपाल के फैसले को बताया अवैध

तमिलनाडु सरकार ने कलाईनार यूनिवर्सिटी बिल 2025 को राष्ट्रपति के पास भेजने के राज्यपाल आरएन रवि के फैसले को संविधान के अनुच्छेद 200 का उल्लंघन करार देते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। बिल में भरतिदासन यूनिवर्सिटी को विभाजित कर कुंभकोणम में नई यूनिवर्सिटी स्थापित करने का प्रस्ताव है।तमिलनाडु सरकार और राज्यपाल आरएन रवि के बीच कलाईनार विश्वविद्यालय को लेकर जारी विवाद बढ़ता ही रहा है। ऐसे में अब स्टालिन सरकार ने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की है। याचिका में राज्य सरकार ने राज्यपाल आरएन रवि द्वारा कलाईनार यूनिवर्सिटी बिल 2025 को राष्ट्रपति के पास भेजने के फैसले को असंवैधानिक और अवैध बताया गया है।राज्य सरकार का कहना है कि राज्यपाल ने इस बिल पर कैबिनेट की सलाह को नजरअंदाज कर, उसे राष्ट्रपति के पास विचार के लिए भेज दिया है, जो कि संविधान के अनुच्छेद 200 का उल्लंघन है। इस अनुच्छेद के तहत राज्यपाल को विधानसभा द्वारा पारित बिलों पर कैबिनेट की सलाह के अनुसार निर्णय लेना होता है।बता दें कि यह बिल तमिलनाडु विधानसभा में अप्रैल 2025 में पारित हुआ था। इसमें भरतिदासन यूनिवर्सिटी को दो भागों में बांटकर कलाईनार यूनिवर्सिटी की स्थापना करने का प्रस्ताव है।

मुख्य चुनाव आयुक्त बोले- चुनाव बाद SIR का मतलब नहीं था, UID नागरिकता का प्रमाण नहीं

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर देश के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने रविवार को पटना में संवाददाताओं से बात की। उन्होंने चुनाव और उसके पहले की प्रक्रिया पर बात की।भोजपुरी में बिहार के मतदाताओं का अभिवादन करते हुए देश के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने रविवार को पटना में कहा कि जिस तरह हम अपने पर्व-त्योहारों और विशेष रूप से लोक आस्था के महापर्व छठ को मनाते हैं, उसी तरह से बिहार विधानसभा चुनाव में मतदान को उत्साह के साथ मनाएं। उन्होंने मतदान की तारीखों पर फिलहाल कोई जानकारी नहीं दी, लेकिन यह जरूर कहा कि 22 नवंबर से पहले चुनाव की पूरी प्रक्रिया संपन्न करा ली जाएगी। स्ढ्ढक्रपर उठाए सवालों का जवाब दिया मुख्य चुनाव आयुक्त ने जो प्रत्याशी खड़े हों, वह पोलिंग एजेंट्स जरूर दें। मॉक पोल अपनी आंखों के सामने जरूर देखने कहें। मतदान के खत्म होते समय पोलिंग एजेंट्स फॉर्म 17सी भी ले लें। जिन लोगों को नगर निगम ने मकान का कोई नंबर तय नहीं किया है, वहां एक ही मकान में कई लोगों के नंबर मतदाता सूची में दर्ज होने की आशंका रहती है। क्योंकि, कुछ चिह्नित करने के लिए बीएलओ यह करते हैं। चुनाव के पहले पुनरीक्षण हर बार होता है, इसलिए उसे चुनाव के बाद कराने की मांग का कोई अर्थ नहीं है। बिहार के एसआईआर में दावा-आपत्ति का पूरा अवसर दिया गया। इस प्रक्रिया की देखरेख के लिए सभी राजनीतिक दलों ने अपने बूथ लेवल एजेंट्स दिए थे। एसआईआर में अब भी समय है कि किसी व्यक्ति या राजनीतिक दल को ऐसा लगता

है कि योग्य मतदाता छूट गया है या अयोग्य मतदाता का नाम सूची में है तो वह दावा-आपत्ति कर सकता है। उनके दावे-आपत्ति का निपटारा ईआरओ स्तर से हो जाएगा।किन्हें मिलेगा वोटर कार्ड, आधार कार्ड पर क्या बोले CEC? जिनके वोटर कार्ड के डाटा में कोई परिवर्तन होगा, उन्हें 15 दिनों के अंदर ईपिक मिल जाएगा। वोटर की जांच किस तरह करनी है, उसी के तहत जांच की गई है। जिन लोगों ने मतदाता सूची के लिए नामांकन भरा होगा, वह आधार देने के लिए बाध्य नहीं हैं। चुनाव आयोग, आधार अथॉरिटी के नियम और सुप्रीम कोर्ट के आदेश के तहत आधार न जन्मतिथि और न ही नागरिकता का प्रमाणपत्र है। सुप्रीम कोर्ट का आदेश आया तो हमने पुनरीक्षण में आधार कार्ड लेने की व्यवस्था दी। संविधान के तहत, मतदाता बनने के लिए भारत का नागरिक होना जरूरी है। वोटर जहां रहता है, उसके आसपास के बूथ का मतदाता हो सकता है। गैर-भारतीय होने के आधार पर कितने नाम कटे, इसपर मुख्य चुनाव आयुक्त ने स्पष्ट जानकारी नहीं दी। उन्होंने कहा कि सभी चिह्नित अयोग्य मतदाताओं का नाम हटाया गया है। इसकी सूची जिला निर्वाचन पदाधिकारियों के पास भी है और राजनीतिक दलों के पास भी है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि एससी 2 और एससी 38 समेत बिहार में 243 सीटें हैं। दो दिनों के इस भ्रमण के पहले भी चुनाव आयोग के अधिकारियों ने पुलिस-प्रशासन के अधिकारियों के साथ ही बैठक हो चुकी है। बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी विभिन्न स्तरों पर बैठक कर चुके हैं। मुख्य सचिव, बाकी विभागीय सचिवों और डीजीपी के साथ भी बैठक कर चुके हैं। पहली बार दिल्ली में ट्रेनिंग, मानदेय बढ़ाया जाना उपलब्धि- मुख्य चुनाव आयुक्त ने जानकारी दी कि बूथ लेवल एजेंट्स की पहली बार चुनाव आयोग ने ट्रेनिंग की। बिहार के सभी बूथ लेवल एजेंट्स- 1 की ट्रेनिंग कुछ माह पहले ही दिल्ली में ट्रेनिंग हुई। उसके बाद बूथ लेवल ऑफिसर्स की ट्रेनिंग हुई। इसके बाद देशभर के 700 बूथ लेवल सुपरवाइजर्स-एजेंट्स की ट्रेनिंग की गई। मतदाता सूची के मामले में विशेष गहन पुनरीक्षण बड़ा टास्क था। सभी मतदाताओं के सहयोग के साथ स-समय यह पूरा हुआ। बूथ लेवल ऑफिसर्स के साथ तमाम अधिकारी, जो इस काम को करते हैं- उनका मानदेय भी बढ़ाया गया। खास तौर पर ऋ और श्वऋ को भी मानदेय की व्यवस्था की गई। चुनाव आयोग ने वोटर कार्ड के 15 दिनों के अंदर मिलने की व्यवस्था की। बीएलओ को मतदाता सुगमता से पहचाने जा सकें, इसके लिए आईडी भी दिए गए। सभी 90 हजार मतदान केंद्रों पर मोबाइल रखने की व्यवस्था- इस बार बूथ के कमरे के ठीक बाहर मतदाताओं को सभी 90 हजार मतदान केंद्रों पर मोबाइल रखने की व्यवस्था रहेगी। वोटर स्लिप में इस बार बूथ की संख्या और पता बड़े फॉन्ट में रखा जा रहा है, ताकि आसानी से पढ़ा जा सके। चुनाव आयोग ने तकनीक का सहारा बहुत पहले से ले रहा है। 40 एप्लिकेशन थे। उसकी जगह अब वन स्टॉप डिजिटल प्लेटफॉर्म- श्वष्टढ्ढहृश्वञ्ज लाया गया। बिहार चुनाव में यह प्लेटफॉर्म सक्रिय रहेगा। चूंकि 1500 से ज्यादा मतदाताओं वाले मतदान केंद्रों में लंबी भीड़ रहती थी और परेशानी ज्यादा होती थी, इसलिए अब 1200 से ज्यादा किसी भी बूथ पर वोटर नहीं रहेंगे। प्रत्याशी- कानून के तहत प्रत्याशी मतदान केंद्र के 100 मीटर के दायरे में भी अपना स्टॉल लगा सकते हैं। अब हर पोलिंग स्टेशन की 100 प्रतिशत वेब कास्टिंग की व्यवस्था की जा रही है

संपादकीय Editorial

On the Ground of Faith

Though the entire state of Himachal Pradesh is steeped in traditions, in some areas, decisions made in the light of the Dev Samaj take precedence over democracy and the law. It's surprising that in a land where society ignores drug dealers and drug traffickers, religious decisions become the dominant court. On the very first day of Kullu Dussehra, amidst the flood of faith, in this unique Mahakumbh of world wonders and religions, only cultural reverence was visible. Yet, in this very crowd, a procession of an administrative officer passed through a narrow alley.

Law enforcement must have witnessed the situation, as the whole world witnessed what happened to Tehsildar Hari Singh Yadav on Dussehra duty, something that should not have happened. Instead of reviewing this issue, given the sensitivity of the situation, we want to say that if religious traditions become a battlefield, everyone can forget the boundaries of the law in interpreting their beliefs. The Tehsildar may not have prioritized certain cultural or religious beliefs, but what happened or was publicly depicted does not uphold the legal tradition. Ultimately, religious rituals do not teach us to become divisive in society. It is also surprising that this case appears to be divided between the pros and cons. If an MLA is criticizing the Tehsildar's conduct, it should be asked what his opinion is on the law. Can an officer on duty be pushed out in public, or is politics playing its part here too? While politics often exerts its influence in the Kullu Dussehra celebrations, harboring any kind of hatred during these waves of faith is highly condemnable and against the gentleness, civilization, and culture of the mountains. The government must take immediate action on this issue and view it in terms of the betterment of the social fabric. If tomorrow, casteism emerges within traditions, or the shadow of social inequality emerges in the noon of law, the very foundations of such events will be shattered. Those who object will undoubtedly face prosecution, but those who took the law into their own hands were not permitted to do so. For some time now, youth movements have been raging in Himachal, and this is the third consecutive occasion where the tide of anger has reached the township, or our standards have failed. We have written repeatedly that a new system, a new practice, should be established by removing the political influence from traditions, fairs, cultural events, and social harmony. A state-level Fair Development Authority should be established to organize all such fairs, cultural, and religious events. Whatever the reality behind the Kullu incident, its denouement points to an environment that must be stopped. This incident is no boon to the sanctity of the Dev traditions. If the Dev traditions do not become a symbol of social harmony, we will be divided into different classes and identified, otherwise this power would have curbed encroachment tendencies, illegal mining, drug trafficking and deteriorating mountain behavior amidst all the signs of disaster.

Pakistan's entire energy is being spent spewing venom against Indians.

The article describes Pakistan's hatred and inhumane actions towards India. The terrorist attack in Pahalgam and the Indian team's defeat of Pakistan in the Asia Cup are mentioned. The shameless claims and threats of nuclear war by Pakistan's Defense Minister are also mentioned. In April of this year, Pakistani terrorists brutally murdered 26 non-Muslims in Pahalgam after asking them about their religion. The entire country was plunged into grief and outrage by this incident, while most Pakistanis were busy applauding this barbaric act. In reality, most Pakistanis are filled with frustration and hatred towards Hindus. Because their very existence is based on hatred, they are unable to overcome this feeling. Their vulgar language also reflects their illiteracy and frustration. Educated television anchors, military generals, and cricketers are also victims of this fire of hatred. The latest example of this shameless behavior was witnessed recently when former Pakistani captain Mohammad Yousuf used derogatory language against Indian T20 captain Surya Kumar Yadav on a TV program. Instead of interrupting him, the anchor or other participants burst out laughing shamelessly. This reflects Pakistan's utter inhumanity, devoting its energy solely to spewing venom against Indians. Pakistan, which has suffered three defeats at the hands of India in the Asia Cup, has a tainted past. This section of the society was not satisfied with the creation of Pakistan after the partition of India, making its own identity an issue. Since its inception, Pakistan has focused less on its own progress and more on harming India. It is so obsessed with revenge against India that it does not hesitate to brutally oppress even its own people. This example is evident in Pakistan-occupied Kashmir, where people are on the verge of rebellion. India must remain vigilant against the deteriorating situation in Pakistan. No matter how much venom Pakistan spews against India, it has suffered humiliating defeats in all the wars it has fought against India. After losing the 1965 war, it begged for the return of the Haji Pir Pass. Then, in 1971, 93,000 Pakistani soldiers surrendered to the Indian Army in Dhaka. This was the largest and most humiliating surrender by an army since World War II. At the negotiating table in Shimla, Bhutto begged for the return of these soldiers and some other territories. Indian soldiers foiled Pakistan's plans to infiltrate in the 1999 Kargil conflict. Pakistan's inhumanity was also exposed when it refused to even accept the bodies of its soldiers killed in that conflict. The story of 2025 was no different, when, after the Pahalgam attack, PM Modi decided that enough was enough and that Pakistan must pay the price for its actions. Under Operation Sindoor, India destroyed Lashkar-e-Taiba and Jaish-e-Mohammed (JeM) terrorist bases deep within Pakistan. The Indian Air Force then destroyed several Pakistani air bases and air strips, including the Nur Khan Air Base. Pakistan's situation became so dire that it appealed for a ceasefire. It's a different matter that its threats and hypocrisy continue to this day. Regarding the Pahalgam terrorist attack, the Pakistani Defense Minister shamelessly claimed that it was carried out by India's own forces, and that Pakistanis had no involvement. Launching a terrorist attack and then absolving itself of its responsibility is nothing new for Pakistan. Even after the Mumbai attacks, Pakistan continued to deny its role in the attack, but the capture of Ajmal Kasab exposed its true identity to the world. Just days before the Pahalgam attack, General Asim Munir had spewed venom against India and Hindus. Pakistani Minister Hanif Abbasi publicly stated that Pakistan possessed 130 nuclear warheads earmarked for targeting India. No sensible person who understands the horrors of nuclear war would say such things. Before the Asia Cup, there were calls to boycott Pakistan, but the Indian team, taking a pragmatic approach, played against them. However, the Indian team had already decided not to maintain any contact or etiquette with the Pakistanis. The captain did not shake hands with his Pakistani counterpart during the toss. The players also eschewed the traditional courtesy of shaking hands with their opponents after the match. The Pakistanis' unease was evident after this. They thrashed about in a complaining tone, but found no respite. After winning the final, the Indian team decided not to accept the trophy from Pakistani Home Minister and Asian Cricket Council chief Mohsin Naqvi. Naqvi then brazenly left with the trophy and medals. After the final victory, when PM Modi posted that "Operation Sindoor continues on the sports field as well, and the results were the same," it became clear that the issue was not limited to sports. Captain Suryakumar Yadav's response to this speaks volumes: "It's nice when the country's leader himself bats on the front foot." After deciding to participate in the Asia Cup, winning it became a matter of prestige for the country. Especially after the Pahalgam attack, crushing Pakistan on the field was crucial to avenge it. Nevertheless, it is essential for India to reassess its equation with this unruly neighbor. Merely warning it is not enough. India must not repeat the indulgences of 1965 and 1971. Only then will we be able to address the challenges across the border.

The Grand Alliance is Held on Seat-Sharing, Instability May Build Difficulties

The Congress Working Committee met in Bihar after 85 years. Nasir Hussain claimed that the Congress will lead the Grand Alliance in the Bihar Assembly elections. The Congress is focused on issues like social justice raised by Rahul Gandhi. The "Ati Pichhda Nyay Sankalp" is indicative of the Congress's electoral strategy. Any doubts about the Congress's intentions, which returned to Bihar after 85 years for the Working Committee meeting, were dispelled by party General Secretary Nasir Hussain. He claims that the Congress will lead the Grand Alliance's campaign in the soon-to-be-announced Bihar Assembly elections. While the issues raised in the resolutions passed during the five-hour Working Committee meeting at Sadakat Ashram in Patna cannot be ignored, the real objective is to boost workers' enthusiasm for the Assembly elections and to press for a greater number of seats with potential for victory for the Grand Alliance. The Congress's electoral hopes also hinge on the issues of social justice and vote theft raised by Rahul Gandhi. The "Ati Pichhda Nyay Sankalp" passed at the meeting is indicative of Congress's electoral strategy.

In Bihar's caste-based politics, major changes in the upcoming elections are impossible without maintaining or expanding its vote bank. Nearly three and a half decades ago, during the political polarization between the Mandal and Kamandal parties, most OBCs and minorities rallied behind Lalu Yadav, while the upper castes rallied behind the BJP. A large section of Dalits aligned with Ram Vilas Paswan. To further his political prospects, Nitish Kumar had to create an alliance between the Ati Pichhda and Mahadalit communities, including some minorities. In this process, Lalu Yadav's RJD's core support base was reduced to a Yadav-Muslim alliance, which no longer constitutes a winning alliance. On the other hand, despite its expansion, the BJP has failed to expand significantly among the OBC and Dalit communities. Even among minorities, the BJP's reach is limited to the Pasmanda community. Therefore, both parties need Nitish Kumar's JDU, which has acceptance among the EBC, Mahadalit, and minority communities, to form a government. Now that Nitish Kumar's political career is on the wane, the Congress is seeking to expand its support base by attracting EBCs and minorities. The 10 points of the Extremely Backward Classes (ABC) Justice Resolution aim for the all-round development of the socially and economically backward classes, including promises ranging from increasing the reservation limit to 50 percent, reserving 50 percent seats in private schools under the Right to Education (RTE), and providing 50 percent reservation in government contracts. The veracity of Rahul's allegations will only be determined by an impartial investigation, but public perception often proves more decisive than the truth. To support his allegations of vote theft, Rahul has so far cited examples from constituencies in Karnataka and Maharashtra. He has also discussed losing in Haryana despite a likely victory. He launched a "Voter Rights Yatra" in Bihar to protest the deletion of millions of votes in the Special Intensive Electoral Roll Revision (SIR). This energized the Congress's ailing organization. Through the Working Committee meeting, the Congress has maintained that momentum and presented a strong claim in seat sharing. It is being discussed that Congress has also handed over a list of 76 assembly seats to Tejashwi Yadav with the message that if seat sharing is delayed, it will start campaigning on 30 seats. RJD is the largest party in the Bihar Assembly. Yet, Congress is delaying declaring Tejashwi, a former Deputy Chief Minister, as the Chief Ministerial candidate for the upcoming assembly elections. The 2020 assembly elections were a close contest between the NDA and the Grand Alliance. The BJP performed the best in the NDA, while the JDU's performance was disappointing. RJD performed the best in the Grand Alliance, while Congress's performance was disappointing. Congress, which contested 70 seats, won only 19. Smaller Left parties also performed better than Congress. Therefore, the most important aspect of the Bihar elections will be the seat sharing between the two alliances. Past experience shows that the BJP manages its alliances well, but the same cannot be said about the Grand Alliance or the INDIAN. In Haryana, AAP contested separately, and Congress lost the election by less than one percent of the vote. In retaliation, Congress contested all seats in Delhi. Congress failed to win a single seat, but ousted AAP from power. Had the Maha Vikas Aghadi (MVA), which performed exceptionally well in the Lok Sabha elections in Maharashtra, declared Uddhav Thackeray as its chief ministerial face in the assembly elections held a few months later, such a predicament would not have occurred. Therefore, it will be important to see how the seat-sharing process unfolds within the Grand Alliance in Bihar. If Congress, emboldened by issues like caste census and vote theft, insists on contesting 70 seats, the Grand Alliance will face increasing difficulties. If the pressure tactics escalate to not declaring Tejashwi Yadav as the Chief Ministerial face of the Grand Alliance, it means that Congress has not learned any lessons from Maharashtra.

ओवरलोड व ओवर स्पीड पर सख्ती, एक सप्ताह में 40 वाहनों पर कार्रवाई

मुरादाबाद- अवैध, अनाधिकृत और नियम विरुद्ध संचालित वाहनों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत संभागीय परिवहन विभाग के पीटीओ ने पिछले एक सप्ताह में 40 वाहनों

पर कार्रवाई की है शनिवार को पीटीओ नरेंद्र सिंह ने बताया कि शुक्रवार की रात चेकिंग अभियान के दौरान बिना परमिट के रेत से भरा एक डंपर, तीन ओवरलोड पिकअप वाहन, और एक ओवरलोड तथा ओवर स्पीड ट्रक को सीज किया गया। इसके अतिरिक्त संभल-मुरादाबाद मार्ग पर यात्रियों से खचाखच भरी दो अनाधिकृत प्राइवेट बसों को भी सीज कर कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि इस तरह बीते सात दिनों के भीतर कुल 40 वाहनों पर नियमों के उल्लंघन के चलते दंडात्मक कार्रवाई की गई है। बताया कि अभियान का उद्देश्य राजस्व की हानि को रोकना, सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करना और यातायात नियमों के प्रति कठोरता को बनाए रखना है। उन्होंने बताया कि मुरादाबाद से संभल मार्ग पर स्थित कुछ स्कूलों में संचालित वाहनों की अब तक फिटनेस जांच नहीं कराई गई है। संबंधित स्कूलों को चेताया गया है कि वे शीघ्र फिटनेस प्रमाणपत्र प्राप्त करें, अन्यथा बिना फिटनेस पाए जाने पर उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने वाहन चालकों व मालिकों से अपील की कि वे समस्त दस्तावेजों को अद्यतन रखें और वाहन संचालन पूरी तरह वैध रूप से करें।

अब ऑनलाइन बनेगी एमएसटी

मुरादाबाद- रामपुर। एमएसटी (मासिक यात्रा टिकट) बनवाने की प्रक्रिया अब पूरी तरह ऑनलाइन हो गई है। यात्रियों को अब लंबी कतारों और कागजी दौड़ से मुक्ति मिल गई है। नई व्यवस्था में आधार कार्ड और मोबाइल फोन के जरिये कुछ ही मिनटों में पीवीसी कार्ड प्रारूप की एमएसटी तैयार हो जाएगी।पहले रामपुर रोडवेज डिपो से महीने में केवल 120 एमएसटी ही जारी हो पाती थीं, लेकिन ऑनलाइन व्यवस्था लागू होने के बाद अब इसमें वृद्धि होने की उम्मीद है। नौ सितंबर से लागू इस प्रक्रिया में टॉम सॉफ्टवेयर के माध्यम से यात्री की जानकारी भरी जाती है, आधार सत्यापन के लिए मोबाइल पर तीन बार ओटीपी आता है, और उसके बाद एमएसटी जारी कर दी जाती है। एक और खास बदलाव यह हुआ है कि अब एमएसटी का शुल्क भी पहले से 10 रुपये कम लिया जा रहा है। एआरएम महेंद्र कुमार ने बताया कि इस नई प्रक्रिया से यात्रियों को काफी सुविधा मिलेगी और समय की बचत होगी।

विदेश भेजने के मामले में धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज

मुरादाबाद- बिलासपुर। विदेश भेजने के नाम पर धोखाधड़ी कर 22 लाख रुपये हड़पने के आरोप में पुलिस ने दो लोगों के नामजद समेत तीन लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम फुलसुंघा निवासी गुरु भगत सिंह ने दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि उन्होंने अपने पुत्र को विदेश भेजने के लिए पंजाब के ग्राम खटखट कली थाना बंगा एबीएस नगर निवासी गुरमुख सिंह से बात की थी। आरोप है कि गुरमुख सिंह ने अपने साले गुरमेल सिंह निवासी काशीपुर व एक अन्य व्यक्ति से बात कर उनके पुत्र को विदेश भेजने के नाम पर अलग-अलग तारीखों में उनसे 30 लाख रुपये ले लिए। इसके बाद भी उनके पुत्र को विदेश नहीं भेजा। दबाव बनाने पर केवल आठ लाख रुपये वापस कर दिए। 22 लाख रुपये एक सितंबर 2025 को देने का वादा किया। आरोप है कि एक सितंबर को उन्हें रुपये देने के लिए नगर में बुलाया गया। जहां उन्होंने रुपए वापस देने के बजाय उनके साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने एसपी के आदेश पर दो लोगों के नामजद व एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मारपीट कर रुपए हड़पने आदि धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की है। कोतवाली प्रभारी बलवान सिंह ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

ब्रजघाट में गंगा पुल की रेलिंग तोड़ लटकी रोडवेज बस, यात्रियों में मची चीख पुकार

मुरादाबाद- दिल्ली जा रही रामपुर डिपो की बस ब्रजघाट में रेलिंग को तोड़कर गंगा पुल पर लटक गई। उसमें सवार यात्रियों में चीख पुकार मच गई। गनीमत रही की बड़ा हादसा होने से टल गया। नेशनल हाईवे पर जाम लग गया। हापुड़ व अमरोहा जनपद से बस को उठाया। रामपुर डिपो की रोडवेज बस बृजघाट गंगा पुल पर अचानक से बस के ब्रेक फेल हुए दोनों पुल के बीच में लटक गई। नीचे बह रही लिए उन्होंने शोर मचाना शुरू कर दिया। चीख पुकार मौके पर पहुंची तथा बस में सवार सभी यात्रियों को चालक काशीपुर के खड़गपुर देवी गांव निवासी वाली सड़क पर जाम के हालात बन गए। कुछ ही जिसमें सैकड़ों वाहन फंस गए। इसी जाम में तीन

ने एंबुलेंस को वन-वे ट्रैफिक से निकाल दिया। बृजघाट चौपला चौकी इंचार्ज प्रवीन कुमार ने बताया कि ब्रेक फेल होने पर हादसा हुआ था। यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। पुलिस ने यात्रियों को सकुशल बाहर निकालकर क्रेन के माध्यम शनिवार को दिल्ली जा रही थी। बस में 16 यात्री सवार थे। हो गए। जिससे बस पुल पर लगी लोहे की रेलिंग को तोड़ते गंगा को देख बस में सवार यात्री बुरी तरह डर गए। बचाव के की आवाज सुनकर लोगों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस भी सुरक्षित बाहर निकाला गया।बताया जा रहा है कि हादसे में बस अनूप सिंह घायल हो गया। हादसे के बाद हाईवे पर दिल्ली जाने देर में हाईवे पर करीब चार किलोमीटर लंबा जाम लग गया। निजी एंबुलेंस भी घंटों तक फंसी रही। हालांकि बाद में पुलिस

बजरंग दल कार्यकर्ता का कत्ल: 25 हजार के इनामी मुठभेड़ में घायल, दोनों के पैर पर लगी गोली, कमेंट को लेकर विवाद

मुरादाबाद में चर्चित शोभित हत्याकांड के दो इनामी आरोपी अक्कू शर्मा और जतिन को पुलिस मुठभेड़ में घायल हो गए। दोनों के गिरफ्तार कर अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। दोनों पर 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित था। चर्चित शोभित और जतिन उर्फ लाला शनिवार रात पुलिस मुठभेड़ कटघर पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की के पैरों में गोली लगी है। घायल बदमाशों को के मुताबिक, मौके पर गिरफ्तार आरोपियों की थाना कटघर और जतिन उर्फ लाल पुत्र सुरेश पुलिस ने दोनों के कब्जे से एक बिना नंबर की बरामद किए हैं। आरोपियों पर था 25-25 हजार शोभित ठाकुर हत्याकांड में शामिल चार आरोपियों था। पुलिस की चार टीमें आरोपियों की गिरफ्तारी पहले इंस्टाग्राम पर कमेंट्सबाजी को लेकर हुआ गुलाबबाड़ी चुंगी सूरज नगर निवासी घनश्याम छात्र था।उसकी बीते सोमवार शाम करीब पांच हत्या कर दी गई थी। घनश्याम ठाकुर ने

दोस्तों गौतम कश्यप, आदित्य और रोहित के साथ खड़ा था, तभी जतिन उर्फ लाला, अक्कू शर्मा, अविनाश पासी और रोहित जाटव वहां पहुंचे और शोभित को घेर लिया। आरोप है कि अक्कू शर्मा ने तमंचा कनपटी पर सटाकर गोली मार दी, जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई थी।इंस्टाग्राम विवाद बना हत्या का कारण- पुलिस जांच में सामने आया कि अविनाश पासी और शोभित के बीच चार माह पहले इंस्टाग्राम पर आपसी कमेंट्स को लेकर विवाद हुआ था, जिसके बाद से दोनों पक्षों में रंजिश चल रही थी। उसी पुरानी दुश्मनी के चलते आरोपियों ने शोभित की हत्या की साजिश रची थी।पुलिस अधिकारियों ने बताया कि हत्याकांड के सभी चार आरोपी फरार थे, जिनकी गिरफ्तारी के लिए एसओजी, सर्विलांस सेल और कटघर थाने की दो टीमें लगातार दबिश दे रही थीं। दो आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद अब बाकी दो की तलाश तेज कर दी गई है।दोनों घायल इनामी बदमाशों से पूछताछ जारी है। इनके बयान के आधार पर फरार आरोपियों की लोकेशन और हत्या में प्रयुक्त हथियारों के स्रोत की जानकारी जुटाई जा रही है।

गागन का पुराना पुल को तोड़ने का काम शुरू, नए पर बढ़ा वाहनों का दबाव, दिल्ली रोड पर रहेगी परेशानी

मुरादाबाद में गागन नदी पर बने पुराने पुल को तोड़ने का काम शनिवार शाम से शुरू हो गया है। पुल पर वाहनों का संचालन बंद कर दिया गया है। इसके चलते जाम की स्थिति पैदा हो रही है। 18.43 करोड़ की लागत से करीब डेढ़ साल में नया वाहनों का संचालन शनिवार को बंद कर दिया गया है। नए पुल पर ही वाहनों दबाव बढ़ गया रहे हैं। तोड़े जा इस पुल की जगह करीब डेढ़ लोगों को दुश्वारियां झेलनी पड़ सकती हैं। गागन करोड़ का टेंडर पहले ही स्वीकृत हो गया था पानी सूखने का इंतजार कर रही थी। पानी कम पुल को तोड़ने का काम शुरू कर दिया।पुल को पुलिस ने यातायात को नियंत्रित करने के लिए दूसरे पुल से यातायात का संचालन शुरू कर गया। दोनों पुल से 24 घंटे में करीब एक लाख संचालन बंद होने पर दूसरे ही पुल से ही वाहनों

बताया कि पुराने पुल को तोड़ने का शुरू हो गया है। नए पुल के बनने तक एक ही पुल से वाहनों का आवागमन रहेगा। मार्च 2027 तक 90 मीटर लंबे पुल का होगा निर्माण - अब पुराने पुल को तोड़कर गागन में नए पुल का निर्माण किया जाएगा। सेतु निगम के पीडी शशिकांत का कहना है कि पुल 90 मीटर लंबा और दस मीटर से अधिक चौड़ा होगा। पुल निर्माण करने के लिए अत्याधुनिक मशीनें मंगाई जाएंगी। पुल की डिजाइन स्वीकृत होने के बाद काम शुरू किया जाएगा। अभी मार्च 2027 तक पुल का निर्माण पूरा हो जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

अफजलगढ़-काशीपुर मार्ग पर पलटा गैस टैंकर, चालक और हेल्पर की मौत, केबिन में फंस गए थे दोनों के शव

रामपुर जिले में हुए हादसे में ट्रैंकर चालक और क्लीनर की मौत हो गई। पुलिस ने दोनों शवों को केबिन से बमुश्किल निकाला।

हादसे के बाद गांव में कोहराम मचा हुआ है। अफजलगढ़-काशीपुर मार्ग पर रविवार तड़के रहमान टाइल्स के पास बड़ा हादसा हो गया। कार्बन डाइऑक्साइड गैस से भरा टैंकर अचानक अनियंत्रित होकर पुलिया से नीचे पलट गया। हादसे में टांडा के ग्राम पीपली नायक निवासी चालक सत्यपाल (32) पुत्र रामपाल और परिचालक रॉबिन उर्फ भोला (22) पुत्र इन्द्रपाल की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, सत्यपाल और रॉबिन रात करीब डेढ़ बजे काशीपुर से हरिद्वार की ओर टैंकर में गैस लेकर जा रहे थे। जैसे ही वह रहमान टाइल्स के पास मोड़ पर पहुंचे टैंकर अचानक अनियंत्रित होकर पुलिया से नीचे पलट गया। सत्यपाल का आठ साल का बेटा है, जबकि रॉबिन अविवाहित और पांच बहनों का अकेला भाई था।दोनों की आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही पीपली नायक गांव में मातम पसर गया। परिजन रोते-बिलखते हुए तुरंत मौके के लिए रवाना हो गए। हादसे के कारण अफजलगढ़-काशीपुर मार्ग पर कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित रहा। टैंकर के केबिन में फंसे दोनों शवों को काफी मशक्कत के बाद बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया।

मस्जिद कमेटी को झटका, ध्वस्तीकरण के खिलाफ दाखिल याचिका खारिज

मुरादाबाद- संभल। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने संभल के राया बुजुर्ग की मस्जिद गोसुलबारा के ध्वस्तीकरण की प्रशासनिक कार्रवाई पर रोक की मांग को लेकर मस्जिद कमेटी की और से दायर याचिका को वापस लेने की शर्त पर खारिज कर दिया है। उक्त

आदेश न्यायमूर्ति दिनेश पाठक की एकलपीठ ने दिया। मस्जिद कमेटी ने तहसीलदार, संभल द्वारा 2 सितंबर 2025 को पारित आदेश को चुनौती देते हुए याचिका दाखिल की थी। सुनवाई के दौरान याची के अधिवक्ता अरविंद कुमार त्रिपाठी ने कोर्ट को सूचित किया कि वह वैकल्पिक उपाय के रूप में राजस्व संहिता, 2006 की धारा 67(5) के तहत सक्षम अपीली न्यायालय (कलेक्टर) के समक्ष अपील दाखिल करना चाहते हैं। इस पर कोर्ट ने याचिका को वापस लेने की अनुमति प्रदान कर दी। इस पर राज्य सरकार की ओर से कोई आपत्ति नहीं जताई गई। कोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए यह भी स्पष्ट किया कि यदि याची अपीली न्यायालय में अंतरिम राहत के लिए आवेदन करता है, तो वह आवेदन कानून के अनुसार विचारित किया जाएगा और उच्च न्यायालय के इस आदेश से प्रभावित नहीं होगा।गौरतलब है कि राया बुजुर्ग स्थित मस्जिद और बैंकेट हाल के ध्वस्तीकरण मामले में दाखिल याचिका पर शुक्रवार यानी 3 अक्टूबर को विशेष अवकाश पीठ गठित कर सुनवाई की गई। मस्जिद शरीफ गोसुलवरा रायां बुजुर्ग और उसके मुतवल्ली मिंजर की ओर से दाखिल याचिका में कहा गया कि प्रशासन ने अवैध निर्माण बताते हुए 2 अक्टूबर को चार बुलडोजरों की मदद से महज 4 घंटे में मैरिज हॉल को जमींदोज कर दिया। याचिका में यह भी आरोप है कि यह कार्रवाई गांधी जयंती और दशहरे जैसे दिन पर की गई, जिससे भीड़ और तनाव की स्थिति बनी। याचिका में यह भी बताया गया था कि मस्जिद का कुछ हिस्सा सरकारी भूमि पर है। प्रशासन ने मस्जिद कमेटी को अवैध निर्माण हटाने का नोटिस और चार दिन का समय दिया था। हालांकि समय सीमा पूरी होने से पहले ही कमेटी के लोगों ने स्वयं हथौड़ा चलाकर मस्जिद की दीवारें गिराना शुरू कर दिया था, फिर भी बुलडोजर चलाए गए। याचिका में ध्वस्तीकरण आदेश पर रोक लगाने की मांग की गई थी।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

तौकीर रजा से जुड़े आठ सिपहसालारों का खोला गया एलआईयू निगरानी कार्ड, खुफिया जांच के बाद खुलेगी फाइल

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली । बीते 26 सितंबर को हुए बवाल के बाद पुलिस ने इत्तेहाद-ए-मिल्लत के अध्यक्ष मौलाना सिपहसालारों का खोल दिया है। बवाल वाले इन आरोपियों खुफिया जांच के बाद इसके बाद ये सभी अभिसूचना इकाई

काउंसिल (आईएमसी) तौकीर रजा के आठ एलआईयू निगरानी कार्ड में अहम भूमिका निभाने और इनके करीबियों की फाइल खोली जाएगी। ताउम्र स्थानीय (एलआईयू) की निगरानी में रहेंगे। पुलिस के मुताबिक मौलाना तौकीर रजा के आह्वान पर 26 सितंबर को जुमे की नमाज के बाद शहर में जुटी भीड़ ने बवाल किया था। इस दौरान पुलिस टीम पर पथराव व फायरिंग भी की गई थी। पुलिस की एंटी राइट गन व एक वायरलेस सेट लूट लिया गया था। इस दौरान 22 पुलिसकर्मी घायल हुए थे। शहर में 10 स्थानों पर उपद्रवियों और पुलिस के बीच झड़प हुई थी। इस मामले में पुलिस अब तक मौलाना तौकीर रजा समेत 84 आरोपियों को जेल भेज चुकी है। इनमें तीन को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया गया है। पुलिस जांच के दौरान सामने आया है कि 26 सितंबर को भीड़ जुटाने और बवाल कराने में मौलाना के खास सिपहसालार डॉ. नफीस, नदीम खान, अफजाल बेग, पार्षद अनीस सकलैनी, मीडिया प्रभारी मुनीर अहमद उर्फ मुनीर इदरीसी, अल्तमश रजा, मौलाना एहसान उल हक चतुर्वेदी और साबिक जमाल खां की अहम भूमिका रही। यह आरोपी पहले भी ऐसे प्रदर्शन करते रहे हैं, जिनसे शहर की शहर की कानून व्यवस्था और सांप्रदायिक माहौल खराब हो सकता था। ऐसे में अब इनको ताउम्र पुलिस के साथ-साथ खुफिया निगरानी में रहना होगा।

बरेली वबाल के आरोपी नफीस के बरातघर पर दूसरे दिन भी चले बुलडोजर, भारी पुलिस बल रहा तैनात

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। विकास प्राधिकरण (बीडीए) ने जखीरा मोहल्ले में मौलाना तौकीर रजा खां के करीबी नफीस के बरातघर को पूरी तरह ध्वस्त करने के लिए कार्रवाई दूसरे दिन भी जारी रखी। बीडीए की टीम पुलिस बल के साथ रविवार सुबह करीब 10 बजे यहां पहुंची और दो बुलडोजरों से बरातघर पर कार्रवाई शुरू कराई। पुलिस और प्रशासन के अधिकारी कर्मचारी मौके पर मौजूद हैं। भारी पुलिस बल को लगाया गया है। आसपास के लोग कार्रवाई पर खामोश हैं। कहीं से किसी भी तरह के विरोध की स्थिति नहीं है। बताया गया है कि शाम पांच बजे तक बरातघर को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया जाएगा। बीडीए के संयुक्त सचिव दीपक कुमार ने बताया कि रजा पैलेसे नाम के इस बरातघर के लिए कोई मानचित्र स्वीकृत नहीं था। मकान के मानचित्र में ही बरातघर का संचालन किया जा रहा था। बरातघर मालिक को 2024 में नोटिस दिया गया था। नोटिस देने के बाद भी जब उन्होंने कोई नक्शा स्वीकृत नहीं कराया तो इसके बाद बीडीए ने कार्रवाई को आगे बढ़ाया। अब जब कार्रवाई हुई है तो मौके पर कोई मानचित्र या साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया जो इसकी वैधता को साबित करता हो। आवासीय नक्शे पर बना था बरातघर आवासीय नक्शे पर बनाए गए अवैध बरातघर (रजा पैलेस) को जमींदोज करने के लिए सात मजदूरों ने घन भी चलाए गए। दोपहर एक बजे से शुरू हुई कार्रवाई शाम सात बजे तक चली। बीडीए के अफसरों ने बताया कि वर्ष 2024 में ही नफीस को पहला नोटिस दिया गया था। पांच माह पहले ही बरातघर के ध्वस्तीकरण का आदेश हो गया था, जिसे अब अमल में लाया गया है।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

आरएसएस की स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने पर विजयादशमी के कार्यक्रम बड़े ही हर्षोल्लास से मनाए

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। रविवार को बरेली महानगर के मालवीय नगर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने पर विजयादशमी के कार्यक्रम बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाए गए। एकत्रीकरण के कार्यक्रम हुएद्य नगर के स्वयंसेवकों ने

बढ़चढ़ कर प्रतिभाग किया। कार्यकर्त्ता बंधुओं के सामूहिक प्रयास से यह सफल कार्यक्रम आयोजित हुएद्य शताब्दी वर्ष के आगामी कार्यक्रम भी अपने लक्ष्य को प्राप्त करेंगेद्य ऐसा नगर के कार्यकर्त्ताओं का संकल्प है। संजय नगर स्थित श्रेया बारात घर से पथ संचालन श्रेया बारात घर से शुरू होकर महर्षि कश्यप चौक होते हुए श्रेया बारात घर मे समापन हुआद्य कार्यक्रम मे मुख्य वक्ता प्रदीप भाई साहब ने अपने विचार रखेद्य कार्यक्रम मे नगर कार्यवाहा पुष्पेंद्र, महानगर बौद्धिक प्रमुख अजय ,बस्ती प्रमुख संजय, कैलाश, ग्राम विकास प्रमुख कृष्णापाल,मण्डल अध्यक्ष राजीव, होरि लाल, सरवन, दिलीप, विवेक मिश्रा, बबलू, विवेक, संतोष,नन्हे लाल, नितिन आदि उपस्थित रहेद्य

आरएसएस की स्थापना के सौ वर्ष पूर्ण होने पर की गई पद यात्रा

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने अपने सौ वर्ष पूर्ण होने पर जगह जगह पथ यात्रा की गई सोमवार को मढ़ीनाथ क्षेत्र में पथ संचलन यात्रा निकाली गयी जिसमे एकत्रीकरण के कार्यक्रम हुए जगह जगह भव्य रूप से पुष्प बर्षा करके यात्रा का स्वागत किया गया मढ़ीनाथ निवासी डबल भटनागर , राजा ठाकुर ने विचार रखे कार्यक्रम में अनूप सिंह चौधरी , नरेंद्र मौर्या , राजा , डब्बल भटनागर, अन्य साथी गण मौजूद रहे ।

जिला अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में घुसी कार टला बड़ा हादसा

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। जिला अस्पताल में रविवार सुबह अचानक पुलिस के एक कार ड्राइवर ने मरीजों की जान को आफत में डाल दिया। सिपाही तेज रफ्तार कार इमरजेंसी वार्ड के गेट पर लेकर घुस गया। गनीमत रही कि कोई तीमारदार या मरीज कार की चपेट में नहीं आया। वरना बड़ा हादसा हो सकता था। मामला रविवार सुबह करीब आठ बजे का बताया जा रहा है। जिला अस्पताल में मौजूद चश्मदीदों के मुताबिक एक तेज रफ्तार कार जिला अस्पताल के मुख्य द्वार से अंदर दाखिल हुई। अस्पताल में आने के बावजूद कार की रफ्तार को चालक ने धीमा नहीं किया। कार लेकर वह इमरजेंसी वार्ड की तरफ आया और सीधा वार्ड के गेट के आगे लगे पोल में जा घुसा। एक पल के लिए तो अस्पताल में मौजूद हर किसी की सांसे अटक गईं। कार रुकी तो किसी तरह जान में जान आई।

मेरठ नर्सिंग होम में धड़ल्ले से नियम-कानून की उड़ रही धज्जियां स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन मौन

क्यूँ न लिखूँ सच/ ताज मलिक / अमरोहा। तहसील हसनपुर क्षेत्र के ढबारसी नेहरू इंटर कॉलेज के सामने मेरठ नर्सिंग होम नाम से अवैध अस्पताल खुलेआम संचालित हो रहा है। सूत्रों के मुताबिक इस नर्सिंग होम का न तो स्वास्थ्य विभाग में पंजीकरण है और न ही संचालकों के पास MBBS की डिग्री। इसके बावजूद यहां गर्भवती महिलाओं के ऑपरेशन और डिलीवरी धड़ल्ले से किए जा रहे हैं। यहां तक कि ओटी ऑपरेशन थिएटर भी खुलेआम चल रहा है सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब डॉक्टर के पास डिग्री नहीं, तो उसे ओटी चलाने का अधिकार किसने दिया? जब उसके पास मान्यता प्राप्त योग्यता नहीं, तो डिलीवरी करने की अनुमति किसने दी? क्या स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतज़ार कर रहा है? ग्रामीणों का कहना है कि यह नर्सिंग होम गरीब और अनजान मरीजों की जिंदगी से सीधा खिलवाड़

कर रहा है। नियमों को ताक पर रखकर की जा रही इस लापरवाही से कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है भारतीय चिकित्सा परिषद अधिनियम 1956 की धारा 15(2)(ङ्ख) के तहत बिना पंजीकरण और डिग्री कोई भी व्यक्ति आधुनिक चिकित्सा पद्धति का अभ्यास नहीं कर सकता। इस तरह का संचालन सीधे तौर पर गैरकानूनी है। इसके अलावा, ऐसे मामलों में IPC की धारा 420 (धोखाधड़ी), 304 (लापरवाही से मृत्यु), 269 और 270 (मानव जीवन को संकट में डालना) भी लागू होती हैं। साथ ही क्लिनिकल एस्टैब्लिशमेंट्स एक्ट 2010 और उत्तर प्रदेश नर्सिंग होम रजिस्ट्रेशन एक्ट के तहत बिना पंजीकरण अस्पताल चलाना दंडनीय अपराध है प्रदेश सरकार झोलाछाप डॉक्टरों और अवैध अस्पतालों पर लगातार कार्रवाई के आदेश देती रही है। इसके बावजूद ढबारसी नेहरू इंटर कॉलेज के सामने यह मेरठ नर्सिंग होम आज भी बिना किसी रोक-टोक के चल रहा है। इससे साफ है कि या तो अधिकारी पूरी तरह लापरवाह हैं या फिर अवैध अस्पतालों से सांठगांठ में लिप्त ग्रामीणों ने मांग की है कि प्रशासन तुरंत नर्सिंग होम को सील करे और संचालकों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में किसी निर्दोष की जान न जाए। जिले में बिना पंजीकरण और बिना डिग्री के चल रहे किसी भी नर्सिंग होम या क्लीनिक को बख्शा नहीं जाएगा। शिकायत मिलते ही जांच टीम भेजी जाएगी और दोषी पाए जाने पर तुरंत सीलिंग व कानूनी कार्रवाई होगी। ढबारसी के मामले में भी कठोर कार्रवाई की जाएगी।

संघ शताब्दी पर पथ संचलन एवं विजयादशमी उत्सव में सम्मिलित होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ

क्यूँ न लिखूँ सच/ ताज मलिक / अमरोहा/ उत्तर प्रदेश >कस्बा हसनपुर में यह दिवस केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि संघ की शताब्दी यात्रा का प्रतीक है – एक ऐसी यात्रा जिसने राष्ट्र को एकता, अनुशासन, सेवा और संस्कार की डोर में बांधा है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने पिछले 100 वर्षों में वसुधैव कुटुम्बकम् के भाव से प्रेरित होकर समाज के हर वर्ग तक राष्ट्रभावना का प्रकाश पहुंचाया है। संघ ने बिना भेदभाव के, निस्वार्थ सेवा और समर्पण से भारतीय संस्कृति और स्वाभिमान की रक्षा का दायित्व निभाया है। यह शताब्दी वर्ष हम सभी के लिए गर्व, प्रेरणा और संकल्प का क्षण है । एक ऐसे भारत के निर्माण का संकल्प, जो संस्कार, सेवा और स्वाभिमान से ओतप्रोत हो। चलो मिलकर उस भारत का निर्माण करें, जिसकी नींव संघ ने रखी और जिसका स्वप्न हर स्वयंसेवक देखता है इस मौके पर अर्पण गुप्ता, मुकेश गुप्ता, काफी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे

बिजली विभाग की बड़ी कार्यवाही, विधुत चोरी को लेकर एक करोड़ 28 लाख की वसूली को लेकर रिकवरी शुरू

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली । मुख्य अभियंता विद्युत ज्ञान प्रकाश ने अवगत कराया है कि जिले में पूर्व में कुछ व्यक्तियों के विरुद्ध विद्युत अधिनियम 2003 की धारा-135 के अन्तर्गत कटिया डालकर सीधे बिजली चोरी की प्राथमिकी दर्ज करायी गयी थी, जिसके सापेक्ष विद्युत चोरी कर रहे व्यक्तियों द्वारा अभी तक राजस्व निर्धारण की धनराशि जमा नहीं की गयी है। संदर्भित प्रकरण में सम्बन्धित व्यक्तियों 5के विरुद्ध वसूली अधिनियम 1958 की धारा धारा-5 नोटिस (आर0सी0) भी निर्गत की जा चुकी है। कुल वसूल कि जाने वाली धनराशि 01 करोड़ 28 लाख से ज्यादा है। जिन लोगों की आर सी जारी की गयी है उसमें वसीम खान पुत्र हाजी मुल्ला लियाकत, सुर्खा बानखाना बरेली की रु0 15,39,046.00 की आर. सी., मोनीश खान पुत्र हसन मियाँ, सुर्ता बानखाना, बरेली की 22.29,709.00 रु0 की आर. सी., बरकान रजा खान पुत्र बाबू खान्, सुर्खा बानखाना, बरेली की 37,32,339.00 की आर. सी., गुलाम नवी पुत्र सरवर अली, गद्दीवाला चक महमूद, थाना बारादरी, बरेली की 26,57,065.00 रु0 की आर. सी. तथा अमन रजा खान पुत्र मोहम्मद नदीम् सुर्खा बानखाना, बरेली की 26,92.628.00 की आर. सी. जारी की गयी है। विद्युत विभाग की राजस्व बढ़ोत्तरी के लिए शीघ्र वसूली की कार्यवाही की जाएगी ।

अमरोहा जिले में मरीजों की जिंदगी से खिलवाड़ धनौरा बछरायूँ समेत कई कस्बों में बिना डिग्री के चल रही पैथोलॉजी लैब

क्यूँ न लिखूँ सच/ ताज मलिक / अमरोहा/ उत्तर प्रदेश जिले में मरीजों की जिंदगी से खिलवाड़ किया जा रहा है। कमाई के लालच में बिना डिग्री और बिना रजिस्ट्रेशन के पैथोलॉजी लैब खुलेआम चल रही हैं, जहां झोलाछाप डॉक्टरों की सलाह पर मनमर्जी से रिपोर्ट बनाई जा रही हैं।

धनौरा तहसील क्षेत्र के बछरायूँ कस्बे का हाल ही देख लीजिए धनौरा मे लगभग डेढ़ दर्जन पैथोलॉजी लैब चल रही हैं, जिनमें से अधिकांश के पास न डिग्री है और न ही मान्यता। वहीं बछरायू कस्बे में करीब एक दर्जन से अधिक लैब बिना डिग्री और रजिस्ट्रेशन के संचालित हो रही हैं। यही हाल धनौरा, गजरौला, नगली, जोया और अमरोहा शहर का भी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इन लैबों के संचालन के पीछे स्वास्थ्य विभाग की मिलीभगत है। अगर सही तरीके से जांच हो जाए, तो कई पैथोलॉजी संचालकों की डिग्रियां किराए पर ली हुई निकलेंगी। कुछ लैब संचालक तो झोलाछाप डॉक्टरों को एडवांस पैसा तक देते हैं ताकि उनकी ओर से मरीज भेजे रहें। हाल ही में आगरा की एक पैथोलॉजी का मामला सुर्खियों में आया था, जहां खांसी के मरीज को कैंसर की रिपोर्ट थमा दी गई। लोगों को डर है कि कहीं वैसा ही हादसा अमरोहा जिले में भी न हो जाए। स्थानीय लोग मांग कर रहे हैं कि स्वास्थ्य विभाग तत्काल कड़ी कार्रवाई करे, अन्यथा आने वाले समय में गलत जांच रिपोर्टें मरीजों की जान तक ले सकती हैं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष पर पथ संचलन में सहभागिता

क्यूँ न लिखूँ सच/ ताज मलिक / अमरोहा /उत्तर प्रदेश हसनपुर नगर की कायस्थान बस्ती में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित पथ संचलन कार्यक्रम में सम्मिलित होने का अविस्मरणीय अवसर प्राप्त हुआ वास्तव में, यह कार्यक्रम अनुशासन, एकता और राष्ट्रभाव की अद्भुत त्रिवेणी का साक्षी था। स्वयंसेवकों की कदमताल में दिखी अदम्य निष्ठा और सुदृढ़ संगठन शक्ति ने मन को गहरा प्रभावित किया। संघ के शताब्दी वर्ष का यह आयोजन न केवल एक उत्सव था, बल्कि राष्ट्र निर्माण के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता का जीवंत प्रमाण भी था। ?इस भव्य दृश्य को देखकर हृदय गर्व और श्रद्धा से भर गया इस मौके पर पौरुष अग्रवाल मंडल उपाध्यक्ष भाजपा विधायक पुत्र देवेंद्र सिंह खड़कवंशी आदि काफी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे

किसान को फरसा मारकर किया घायल

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली, फतेहगंज पूर्वी । गांव बरगंवा निवासी राजवीर ने थाने में तहरीर देकर गांव के ही रामौतार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। राजवीर का आरोप है कि पड़ोसी रामौतार अपने गन्ने की फसल में सिंचाई कर रहे थे। रामौतार के खेत से पानी राजवीर की सरसों की फसल में जा रहा था, जिससे उसकी फसल का नुकसान हो रहा था। राजवीर ने रामौतार से मना किया तो वह गाली गलौज करने लगा। फरसे से राजवीर पर हमला कर दिया, जिससे उसके हाथ में गंभीर चोट आई है। थाना प्रभारी संतोष कुमार ने बताया कि घायल का मेडिकल कराकर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

नवनिर्मित विद्युत उपकेंद्र का शुभारम्भ जनप्रतिनिधियों ने फीता काटकर किया

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। शहर के पवन विहार, हरुनगला, जगतपुर के लोगों को बेहतर विद्युत आपूर्ति अब हो सकेगी। रविवार को जनप्रतिनिधि पवन विहार में बिजनेस प्लान 2024-25 के तहत 12.5 करोड़ से तैयार विद्युत उपकेंद्र का शुभारंभ सांसद छत्रपाल गंगवार, मेयर उमेश गौतम, विधायक संजीव अग्रवाल ने फीता काटकर किया। मुख्य अभियंता ज्ञान प्रकाश ने बताया कि पवन विहार उपकेंद्र से पांच एमवीए के दो उपकेंद्रों से 40 हजार उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी। नवनिर्मित उपकेंद्र को बालीपुर व राधामाधव से 33 केवी बिजली आपूर्ति की व्यवस्था की गई है। इस उपकेंद्र के शुरू होने से ओवरलोड चल रहे हरूनगला व जगतपुर उपकेंद्र अंडरलोड हो जाएंगे। पवन विहार, जगतपुर समेत आसपास के 40 हजार उपभोक्ताओं को निर्बाध विद्युत आपूर्ति मिलेगी। उपभोक्ताओं को लो वोल्टेज, ट्रिपिंग आदि की समस्याओं से निजात मिलेगी। इस मौके पर मुख्य अभियंता ज्ञान प्रकाश, अधीक्षण अभियंता ज्ञानेंद्र सिंह, अधिशासी अभियंता सत्येंद्र चौहान, राजवीर सिंह, नितिन कुमार, राम लाल, सहायक अभियंता रविन्द्र कुमार समेत अन्य विभागीय अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे।

ए.डी. डांस एकेडमी ने रचा इतिहास, बच्चों का चयन इंटरनेशनल डांस चैंपियनशिप के लिए

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / बीसलपुर की ए.डी. डांस एकेडमी की प्रतिभाशाली टीम ने एक बार फिर अपनी कला का परचम लहराया है। नेशनल लेवल डांस चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम ने दूसरा स्थान (wnd Position) हासिल किया है और अब उनका चयन इंटरनेशनल लेवल डांस चैंपियनशिप के लिए हो गया है। इस उपलब्धि ने न केवल एकेडमी बल्कि पूरे शहर एवं जिले का नाम रोशन कर दिया है। टीम के कोरियोग्राफ़र सुधीर ने बताया कि बच्चों ने इस मुकाम तक पहुँचने के लिए दिन-रात मेहनत की है। हर स्टेप में उनका जुनून और समर्पण दिखा। ये सफलता बच्चों की लगन और आत्मविश्वास की जीत है, उन्होंने कहा। टीम में शामिल सान्या, काव्या, शिवांशी, प्राक्षी, संध्या, शुभी और आराध्य जैसे नन्हे कलाकारों ने अपनी लाजवाब प्रस्तुति से जजों और दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। अब यही टीम भारत का प्रतिनिधित्व इंटरनेशनल मंच पर करेगी। बच्चों की इस उपलब्धि से पूरे शहर में खुशी की लहर है। अभिभावकों और स्थानीय नागरिकों ने सभी प्रतिभागियों को ढेरों बधाइयाँ दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामनाएँ कीं।

जुलूस- ए- गौसिया का जलवा-ए- रूहानियत, लब्बैक या रसूल अल्लाह, से गूंजा शहर

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / पीलीभीत बीसलपुर की सरज़मीं पर गौस-ए-पाक की रिवायतों का रंग एक बार फिर चटख़ हुआ, जब ईदगाह चौराहा स्थित हज़रत सैयद साहब (र.अ.) की दरगाह से जुलूस-ए-गौसिया अपने शानो-शौकत के साथ रवाना हुआ। क़ादरी रज़ाकार सोसाइटी के साये में निकला यह जुलूस हज़ारों आशिक़ान-ए-रसूल और गौस-ए-पाक के चाहने वालों की मौजूदगी में एक रूहानी कारवां बनकर शहर की गलियों में गूंज उठा। जुलूस अपने परंपरागत रास्तों से गुज़रते हुए दरगाह ग़ाज़ी कमाल शाह (र.अ.) की बारगाह तक पहुंचा, जहां सलातो-सलाम और दुआओं का नज़राना पेश किया गया। इसके बाद सिंघईया रोड से होता हुआ यह कारवां वापस हज़रत सैयद साहब (र.अ.) की दरगाह पर लौटा, जहां फातह-ख़ूवानी और मुल्क-ओ-मिल्लत की अमन-चैन व बरेली की खुशहाली की दुआओं के साथ यह रूहानी सफर मुन्तहा को पहुंचा। हर साल की तरह इस बार भी जुलूस की क़यादत कारी मुश्ताक साहब ने की, जिनके हाथों में परचम-ए-जुलूस सौंपकर आयोजक नईम रज़ा, वसीम हुसैन, फ़राज़ शेख़, शोएब अहमद वगैरह ने इसकी इब्तिदा की। रास्ते भर हाफ़िज़ शकील अहमद साहब की नात-ए-पाक और मनक़बत ने माहौल को रूहानी नूर से सराबोर कर दिया। लब्बैक या रसूल अल्लाह, नारे गौस या गौस, दम मदार बेड़ा पार , और इश्क़ मोहब्बत आला हज़रत के नारों से गलियां गूंज उठीं, मानो हर ज़र्रा इस मोहब्बत के रंग में डूब गया हो। कारी मुश्ताक साहब ने अपनी तक़रीर में दुआओं का सिलसिला पेश किया, जो हर दिल को छू गया। क़ादरी रज़ाकार सोसाइटी के सदर और इस जुलूस के मुनज़्ज़म नईम रज़ा ने ख़त्म-ए-जुलूस पर पुलिस इंतेज़ामिया और तमाम शरीक़ों का शुक्रिया अदा करते हुए कहा, हम तह-ए-दिल से शुक्रगुज़ार हैं उन तमाम आशिक़ान-ए-रसूल और गौस-ए-पाक का, जिन्होंने इस जुलूस में शिरकत कर इसे रूहानी हुस्न बख्शा। आप सबके जज़्बे और मोहब्बत ने इस कारवां को नूरानी करार दिया। आपकी हाज़िरी और इश्क़ का तह-ए-दिल से शुक्रिया!

जहां फातह-ख़ूवानी और मुल्क-ओ-मिल्लत की अमन-चैन व

इस रूहानी जुलूस में हाफ़िज़ राशिद, हाफ़िज़ सैफ़, तौसीफ़ अहमद, शोएब अहमद, इमरान बाबू, मोहम्मद वसीम, शानू साबरी आलम कुरेशी और हज़ारों की तादाद में लोग शामिल हुए। यह जुलूस बीसलपुर की गौस-ए-पाक के रहने वालों की रिवायतों का एक ज़िंदा नमूना है, जो मोहब्बत, भाईचारे और अमन का पैग़ाम देता है। पुलिस इंतेज़ामिया ने इस मौके पर मुकम्मल निगरानी रखी और जुलूस के अमन-ओ-सुकून से मुनअकिद होने को यकीनी बनाया। आयोजकों ने इस जुलूस को आइंदा और भी रंग-ए-रूहानियत से मज़य्यन करने का अज़्म ज़ाहिर किया। यह जुलूस न सिर्फ़ बीसलपुर की तारीख़ी और मज़हबी शान का आइना है, बल्कि मुल्क में अमन और मोहब्बत का अलम भी है।

संक्षिप्त समाचार

धुंधरी ग्राम में मिशन शक्ति केंद्र फेस- 5 के अंतर्गत महिलाओं को किया गया जागरूक

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / पीलीभीत के थाना अमरिया क्षेत्र के गांव धुंधरी में मिशन महिला शक्ति केंद्र प्रभारी उपनिरीक्षक अनुराधा वर्मा एवं महिला कांस्टेबल बबिता साहु, दीक्षा द्वारा मिशन शक्ति अभियान फेस 5.0 के अंतर्गत महिलाओं व बालिकाओं को सुरक्षा ,सम्मान, स्वाबलंबन , बनाने यातायात के सभी नियमों के बारे में जानकारी देकर जागरूक किया गया। सरकार द्वारा चलाई जा रहीं विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं जैसे- विधवा पेंशन योजना वृध्दावस्था पेंशन योजना सुकन्या समृद्धि योजना प्रधानमंत्री आवास योजना उज्ज्वल योजना मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना, प्रधान मंत्री जन अरोग्य योजना,नशा मुक्ति भारत अभियान आदि से अवगत कराते हुए तथा महिलाओं को उनकी सुरक्षा सम्मान के प्रति जागरूक करते हुए विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों जैसे- वूमेन पावर लाइन-1090 महिला हेल्पलाइन नंबर -181 पुलिस आपातकालीन सेवा -112 स्वास्थ्य सेवा-102, 108 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर -1076 चाइल्ड लाइन 1098, 1930 साइबर क्राइम हेल्प नंबर आदि के बारे में जानकारी दी गई।

मझोला में सम्पन्न हुआ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का पथ संचलन

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / आज पीलीभीत के नगर मझोला में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का पथ संचलन आयोजित किया गया। जिसमें नगर मझोला एवं आस पास के अनेक ग्रामों से अनेक स्वयंसेवक सम्मिलित हुए। पथ संचलन का शुभारंभ बरेली विभाग संचालक ओम प्रकाश गंगवार जी ने डॉ हेडगेवार जी एवं गुरु जी गोलवलकर जी के चित्र के समक्ष पुष्प अर्पित करके किया। मुख्य वक्ता सुभाष कुमार जी ने बताया कि यह वर्ष राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का शताब्दी वर्ष है। जिसके उपलक्ष्य में सम्पूर्ण भारतवर्ष में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की इकाइयों द्वारा अनेक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जा रहे हैं। पथ संचलन सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज से प्रारंभ होकर अल्फा चौराहा, पुलिस चौकी चौराहा, हनुमान मंदिर से होते हुए शिव मंदिर ग्राम मझोला पहुँचकर समाप्त हुआ। कार्यक्रम में नगर संघचालक विजय कुमार भाटिया, नगर कार्यवाह रनजीत सरकार, गन्ना मंत्री प्रतिनिधि कपिल अग्रवाल, नगर पंचायत अध्यक्ष निशांत प्रताप सिंह, पूर्व चेयरमैन अजय गोयल, सुरेन्द्र मल्ल, सुरेन्द्र नाथ सिंह, धनपाल सिंह, सत्येन्द्र सिंह, सुनील कुमार, मनोज कुमार, अंकित सिंह, रोहित सक्सेना, अमन पाठक समेत अनेक गणमान्य स्वयंसेवक सम्मिलित रहे।

पिता ने एक साल के बेटे का फाड़ दिया जबड़ा, तड़पकर मौत, इस वजह से किया मर्डर; पत्नी की तहरीर पर अरेस्ट

यूपी के बलिया जिले में एक साल के मासूम बेटे की हत्या मामले में आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया गया। पत्नी ने बताया कि इसके पहले भी एक बेटा दूध के अभाव में खत्म हो गया। उसने पति को फांसी देने की मांग की है। अवैध संबंध के शक में नशे और डंडे से पिटाई की, उसके बाद एक वर्ष के मासूम बेटे मुकदमा दर्ज करने के साथ ही रूपेश को गिरफ्तार कर वर्ष सूर्य भानपुर निवासी रीना तिवारी से हुई थी। शादी के एक और बेटा हुआ, जिस नाम किन्नू रखा गया। रीना ने शराब के नशे में घर में कलह व मारपीट करता था।पत्नी की आया और मुझे व ससुर कमलेश तिवारी को मारने-पीटने बेटी अनन्या व एक वर्ष का मासूम किन्नू घर पर ही रह गया। के साथ हमलोग घर पहुंचे तो बच्चा खून से लथपथ बिस्तर इलाज के लिए सीएचसी लेकर पहुंचे, वहां चिकित्सक ने सूचना पर थाना प्रभारी मूलचंद चौरसिया दलबल के साथ बेटे के हत्यारे पति फांसी की लगाई गुहार- मासूम की मौत कि वर्ष 2023 में प्रसव उपरांत 18 दिन के बच्चे की तबीयत आया। दूध के अभाव में 18 दिन का बच्चा तड़प कर मर गया। पति के मोह में उस समय मन मसोस कर रह गई। दूसरा बच्चा को भी निर्मम तरीके से हत्या कर दी। हत्यारे पति को फांसी पर चढ़ाने की गुहार लगाई। परिवारिक विवाद में पिता ने एक वर्ष के मासूम की धारदार हथियार से निर्मम तरीके से हत्या कर दी है। पत्नी की तहरीर पर पति पर मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार कर चालान किया गया है। मासूम के शव को पोस्टमार्टम को भेजा गया है। - मोहम्मद फहीम कुरैशी, क्षेत्राधिकारी बैरिया

की हालत में पति रूपेश तिवारी ने पहले अपनी पत्नी रीना तिवारी की लोहे के रॉड किन्नू की धारदार हथियार से निर्मम हत्या कर दी। पत्नी की तहरीर पर पुलिस ने लिया। घटना को लेकर हर कोई मर्माहत है।सुरेमनपुर निवासी रूपेश तिवारी की चार बाद पति-पत्नी से एक बेटी और एक बेटा हुआ। बेटे की मौत हो गई। दो साल बाद तहरीर में आरोप लगाया कि पति रूपेश अवैध संबंध का आरोप लगाकर आए दिन तहरीर पर आरोपी गिरफ्तार- शनिवार को देर शाम नशे की हालत में रूपेश घर लगे। डर के मारे हम दोनों लोग पड़ोस में जाकर अपनी जान बचाई। तीन वर्षीय रात में किसी धारदार हथियार से हमला कर बेटा जबड़ा फार दिया। सुबह पड़ोसियों पर तड़प रहा था। बेटे की हालत देख मां बेसुध हो गई। दादा और पड़ोसियों ने मासूम को मृत घोषित कर दिया। बेटे की मौत से मां रीना तिवारी आपा खो बैठी। मौके पर पहुंच घटना की जांच पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम को भेजवाया। दो से बेसुध मां रीना देवी ने कहा कि पति ने दूसरे बेटे की हत्या की है। आरोप लगाया खराब होने पर अस्पताल में भर्ती कराया और मुझे जबरदस्ती सुरेमनपुर स्थित घर ले

सीएम योगी की राजस्व विभाग के अफसरों के साथ बैठक, बोले - फील्ड में तैनाती का आधार केवल परफॉर्मेंस

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि फील्ड में वही अधिकारी तैनात हों जिनकी छवि साफ और लक्ष्य प्राप्ति के प्रति प्रतिबद्धता स्पष्ट हो। उन्होंने राज्य कर विभाग की राजस्व प्राप्तियों की समीक्षा की और जोनल अधिकारियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संवाद किया।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि राज्य कर विभाग में तैनाती का आधार केवल 'परफॉर्मेंस' होगा। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि फील्ड में वही साफ हो। मुख्यमंत्री रविवार को राज्य की समीक्षा कर रहे थे। इस दौरान अधिकारियों से सीधा संवाद किया। रिफॉर्म' के बाद बाजार में तेजी देखी परिणाम निश्चित रूप से दिखाई देंगे। अवसरों पर अनावश्यक जांच अथवा उद्यमियों के उत्पीड़न की शिकायत जोनवार समीक्षा में अवगत कराया मेरठ (63.0त्न), गोरखपुर प्रदर्शन अपेक्षाकृत बेहतर रहा है। वहीं रही, जहां सुधार की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने वाराणसी प्रथम व द्वितीय, गोरखपुर, प्रयागराज, अयोध्या, लखनऊ प्रथम व द्वितीय, कानपुर प्रथम व द्वितीय, इटावा, झांसी, आगरा, अलीगढ़, मुरादाबाद, मेरठ, गाजियाबाद प्रथम व द्वितीय, गौतमबुद्ध नगर और सहारनपुर सहित सभी जोनों की संभागवार और खंडवार समीक्षा की। उन्होंने सभी जोनल अधिकारियों से कहा कि 50 प्रतिशत से कम राजस्व संग्रह वाले खंडों की स्थिति का कारण स्पष्ट करें और सुधार की कार्ययोजना तत्काल तैयार करें। मुख्यमंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि बरेली, झांसी और कानपुर प्रथम जोन में कोई भी खंड 50 प्रतिशत से कम संग्रह वाला नहीं है, जो संतोषजनक है। वहीं, असंतोषजनक प्रदर्शन करने वालों की जवाबदेही तय करने के निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्व वृद्धि राज्य की आर्थिक प्रगति का प्रमुख आधार है। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्यों की शत-प्रतिशत प्राप्ति का संकल्प लेकर कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ अधिकारी स्वयं मार्केट मैपिंग करें, सामान्य रूप से बाजार में जाएं, व्यापारियों से मिलें और उनकी अपेक्षाओं को समझें। मुख्यमंत्री ने उदाहरण देते हुए कहा कि मंडी शुल्क में कमी से किसानों को राहत और राजस्व में वृद्धि दोनों हुई हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि पारदर्शी और सरल कर प्रणाली हमेशा लाभकारी होती है। उन्होंने व्यापारियों से संवाद बनाए रखने पर बल देते हुए कहा कि जीएसटी पंजीकरण बढ़ाने और समय से रिटर्न फाइल कराने के लिए ठोस प्रयास किए जाएं। सितंबर तक राज्य को 55 हजार करोड़ की प्राप्ति हुई बैठक में मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में सितम्बर माह तक राज्य कर विभाग को कुल ?55,000 करोड़ की प्राप्ति हुई है। इसमें ?40,000 करोड़ जीएसटी तथा ?15,000 करोड़ वैट/नॉन-जीएसटी से प्राप्त हुए हैं। गत वित्तीय वर्ष की समान अवधि में ?55,136.29 करोड़ की प्राप्ति हुई थी। चालू वित्तीय वर्ष के लिए राज्य कर विभाग को ?1.75 लाख करोड़ का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जो पिछले वर्ष के ?1,56,982 करोड़ की तुलना में लगभग ?18,700 करोड़ अधिक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश को राष्ट्रीय जीएसटी संग्रह में अग्रणी योगदान देना चाहिए और इसके लिए नियोजित प्रयास किए जाएं। बैठक में बोगस फर्मों और फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) के मामलों पर विशेष चर्चा हुई। विभाग द्वारा अब तक 104 फर्मों में ?873.48 करोड़ के फर्जी आईटीसी की पहचान की गई है, जिन पर जांच एवं कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्व संग्रह में पारदर्शिता, उत्तरदायित्व और ईमानदारी सर्वोपरि है। जहां कमी दिखाई दे, वहां कारणों की समीक्षा कर तुरंत सुधारात्मक कदम उठाए जाएं। उन्होंने बकाया वसूली, फर्जी आईटीसी की रोकथाम और लंबित जीएसटी/वैट मामलों के त्वरित निस्तारण पर विशेष बल दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर अधिकारी यह सुनिश्चित करे कि कर संग्रह का प्रत्येक रुपया प्रदेश के विकास में योगदान दे। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को राजस्व सृजन की गति और पारदर्शिता, दोनों पर समान ध्यान देने तथा करदाता जनसहजता बढ़ाने के निर्देश दिए।

अधिकारी तैनात किए जाएं जो लक्ष्य प्राप्ति के प्रति प्रतिबद्ध हों और जिनकी छवि पूरी तरह कर विभाग की राजस्व प्राप्तियों की अद्यतन स्थिति उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जोनल मुख्यमंत्री ने कहा कि जीएसटी के 'नेक्स्ट जेनरेशन जा रही है और आने वाले महीनों में इसके सकारात्मक उन्होंने निर्देश दिए कि धनतेरस और दीपावली के छापेमारी की कार्रवाई से बचा जाए। व्यापारियों और कहीं से भी नहीं आनी चाहिए।बैठक के दौरान गया कि बरेली (64.2त्न), सहारनपुर (63.7त्न), (62.5त्न) और झांसी (62.1त्न) जैसे जोनों का कुछ जोनों में लक्ष्य पूर्ति 55 से 58 प्रतिशत के बीच

सीएम योगी की फोटो से छेड़छाड़ करने वालों पर कार्रवाई, बरेली में कोच समेत तीन आरोपी भेजे गए जेल

बरेली जिले में सीएम योगी की फोटो से छेड़छाड़ करने के आरोपियों पर पुलिस ने कार्रवाई की है। फरीदपुर थाने से गिरफ्तार आरोपी कोच और देवरनियां से पकड़े गए दो युवकों को जेल भेजा गया है। शेरगढ़ थाने में एक युवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। बरेली के कोतवाली देवरनियां क्षेत्र में गांव इटौआ और गांव गोपालपुर निवासी दो युवकों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तस्वीर से छेड़छाड़ कर उसे सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया। शिकायत मिलने पर देवरनियां पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। रविवार को दोनों को जेल भेज दिया गया। गांव इटौआ निवासी आसिफ सैफी और गांव गोपालपुर निवासी इमरान ने मुख्यमंत्री योगी की तस्वीर के साथ छेड़छाड़ करते हुए अपनी फेसबुक आईडी पर साझा की थी। स्टेट्स भी लगाया था। किसी ने इस तस्वीर को एक्स पर पोस्ट कर पुलिस से कार्रवाई की मांग की। इसके बाद पुलिस ने दोनों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली। देवरनियां थाना प्रभारी आशुतोष द्विवेदी ने बताया कि दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें-जेल भेज दिया गया है। फरीदपुर- स्पोर्ट्स कोच को भेजा गया जेल फरीदपुर में मुख्यमंत्री योगी की फोटो से छेड़छाड़ कर पोस्ट करने के आरोप में स्पोर्ट्स कोच को जेल भेजा गया है। फरीदपुर इंस्पेक्टर राधेश्याम ने बताया कि हिंदू जागरण मंच के नगर अध्यक्ष रघु प्रताप सिंह ने तहरीर देकर बताया कि फरीदपुर के निजी शिक्षण संस्थान में स्पोर्ट्स कोच तंजीम आलम नाम के व्यक्ति ने मुख्यमंत्री योगी की फोटो एडिट कर पोस्ट की है। इससे लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं। संगठन के कार्यकर्ता की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेजा गया है। शेरगढ़ थाने में युवक पर रिपोर्ट -शेरगढ़ थाना क्षेत्र के गांव निवासी युवक ने मुख्यमंत्री की फोटो को एडिट कर फेसबुक पर पोस्ट कर दिया। हिंदू संगठन की ओर से एक्स पर हुई शिकायत के बाद पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी। एक्स पर अखंड भारत संकल्प संगठन की ओर पोस्ट किया गया कि गांव रम्पुरा निवासी मोहम्मद सलीम मंसूरी ने फेसबुक पर मुख्यमंत्री की फोटो को एडिट कर आपत्तिजनक बनाकर पोस्ट किया है। संगठन ने आरोपी पर कार्रवाई की मांग की। इसके बाद पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली। वरिष्ठ उपनिरीक्षक आदित्य गौरव श्रीवास्तव ने बताया कि आरोपी की तलाश की जा रही है।

जनपद जालौन में जनसमस्याओं के समाधान हेतु एमएलसी प्रतिनिधि श्री आर.पी. निरंजन की सक्रिय पहल

क्यूँ न लिखूँ सच/ नीरज कुमार/ जनपद जालौन के ग्राम पंचायत रबा स्थित डी.पी.एन. पब्लिक स्कूल में आज एक महत्वपूर्ण जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें विधान परिषद क्षेत्र के एमएलसी प्रतिनिधि श्री आर.पी. निरंजन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में क्षेत्र के विभिन्न गांवों से आए सैकड़ों ग्रामीणों ने भाग लिया और अपनी समस्याएं खुलकर रखीं। जनसुनवाई के दौरान ग्रामीणों ने अपने क्षेत्रों में सड़क निर्माण एवं मरम्मत, विद्युत व्यवस्था में सुधार, सोलर लाइट की स्थापना, अंत्येष्टि स्थल के विकास, प्रतीक्षालय (शेड) निर्माण जैसी जनहित से जुड़ी प्रमुख मांगें रखीं। श्री निरंजन ने प्रत्येक समस्या को गंभीरता से सुनते हुए कहा कि जनता की आवाज़ ही उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है, और हर समस्या का त्वरित एवं ठोस समाधान कराया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि इन मुद्दों पर संबंधित विभागीय अधिकारियों से पहले ही वार्ता की जा चुकी है और आवश्यकतानुसार निरीक्षण कर कार्यों को शीघ्र प्रारंभ कराया जाएगा, ताकि ग्रामीणों को जल्द राहत मिल सके। कार्यक्रम के दौरान पूर्व चेयरमैन श्री विज्ञान सिरौठिया, अनेक ग्राम प्रधान, जनप्रतिनिधि, समाजसेवी एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने श्री आर.पी. निरंजन की सक्रियता, जनसंपर्क और जनसेवा भावना की सराहना की। कार्यक्रम के समापन पर श्री निरंजन ने कहा कि – जनता की समस्याओं का समाधान ही मेरा धर्म है। क्षेत्र का सर्वांगीण विकास और जनता के बीच निरंतर संवाद ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। इस जनसुनवाई में ग्राम पंचायत रबा सहित आसपास के कई गांवों के लोग बड़ी संख्या में पहुंचे और अपनी समस्याएं साझा कीं। कार्यक्रम ने जन-जन में यह विश्वास जगाया कि उनकी आवाज़ न केवल सुनी जा रही है, बल्कि उसके समाधान के लिए ठोस कदम भी उठाए जा रहे हैं।

कलेक्ट्रेट परिसर से हरी झंडी दिखाकर जागरूकता रथ रवाना – सभी ने ली स्वच्छता एवं जनजागरूकता की शपथ

क्यूँ न लिखूँ सच/ पवन कुमार/ जिला पंचायत अध्यक्ष घनश्याम अनुरागी, सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा, माधौगढ़ विधायक मूलचंद निरंजन, कालपी विधायक विनोद चतुर्वेदी तथा जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान (05 से 31 अक्टूबर 2025) एवं दस्तक अभियान (11 से 31 अक्टूबर 2025) के सफल क्रियान्वयन हेतु आज कलेक्ट्रेट परिसर से जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और कर्मियों को संचारी रोग नियंत्रण एवं स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि स्वच्छता ही रोगों से बचाव का सबसे प्रभावी माध्यम है, और समाज के प्रत्येक नागरिक को इस अभियान में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। अभियान के अंतर्गत जनपदभर में मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया, जापानी इंसेफलाइटिस जैसी बीमारियों से बचाव हेतु घर-घर संपर्क, स्वच्छता अभियान और प्रचार-प्रसार कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे। कलेक्ट्रेट परिसर से रवाना हुआ यह वाहन पूरे जनपद में जाकर लोगों को स्वच्छता, साफ-सफाई और व्यक्तिगत स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने का संदेश देगा।इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी केके सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी नरेंद्र देव शर्मा आदि सहित अधिकारी व जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

ग्राम धगुवां कलां और विरासनी में महिलाओं को दिये गये हेल्प नंबर

महिलाये अपनी समस्या को बताये जल्द निराकरण किया जाएगा मोहित कुमार यादव

क्यूँ न लिखूँ सच/ पवन कुमार/कोंच(जालौन) जिले के पुलिस अधीक्षक डा दुर्गेश कुमार के दिशा निर्देशन में चलाए जा रहे महिलाओं एवं बालिकाओं के सुरक्षा सम्मान हेतु मिशन शक्ति अभियान फेज 5.0 व क्षेत्राधिकारी कोंच परमेश्वर प्रसाद और थाना प्रभारी एट पंकज कुमार पांडेय के नेतृत्व में मिशन शक्ति केन्द्र प्रभारी उपनिरीक्षक मोहित कुमार यादव और उनकी टीम के द्वारा महिलाओं व बालिकाओं को मुख्यमंत्री/ उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओ एवम् विभिन्न सरकारी हेल्प लाइन नंबरों के बारे में विस्तार से जान कारी मुहैया कराई गई ग्राम गिरथान ग्राम बिरासनी और ग्राम धगुवां कला एवं ग्राम पिरौना में थाना एट में चेकिंग कर विस्तृत जान कारी दी गई इस महिला मिशन के प्रभारी उपनिरीक्षक मोहित कुमार यादव ने सरकार द्वारा महिला हेल्प लाइन नंबरों के बारे में बताया है उन्होंने 181 वूमेन पावर लाइन नंबर 1090 आपातकालीन नंबर 112 स्वास्थ्य सेवा नंबर 102 एंबुलेंस नंबर 108 चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 योजना मुख्यमंत्री हेल्प लाइन नंबर 1076 के संबंध में विस्तृत जानकारी दी प्रभारी मोहित यादव ने बताया है कि सरकार महिला ओं की सुरक्षा हेतु गंभीर है और महिलाओ को उनके अधिकार और उन्हें सम्मान दिलाने के लिये कार्य कर रही है उन्होंने कहा कि महिलाओं को अगर कोई समस्या है या कोई परेशानी है तो वह थाने आकर पुलिस को बता सकती है पुलिस महिलाओं की मदद के लिये सदैव तैयार है उन्होंने कहा कि थाने में महिला हेल्प डेस्क बने है वह अपनी बात बेहिचक बता सकती है उन्हें डरने की कोई जरूरत नहीं है पुलिस महिलाओं की सुरक्षा के लिये बनी है इस अवसर पर थाना एट में कार्यरत महिला कांस्टेबिल गांव की महिलाएं और कई गांव वासी मौजूद रहे

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने छात्राओं संग किया संवाद

मिशन शक्ति 5.0 के तहत बच्चियों को बताया आत्मनिर्भरता, सुरक्षा और अधिकारों का संदेश

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजेंद्र विश्वकर्मा /मिशन शक्ति फेज 5.0 के अंतर्गत जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार ने जनपद की विभिन्न विद्यालयों से आई छात्राओं के साथ संवाद कार्यक्रम किया। इस अवसर पर अधिकारियों ने बालिकाओं को मिशन शक्ति के उद्देश्यों, महिलाओं एवं बच्चियों की सुरक्षा से संबंधित कानूनों, हेल्पलाइन नंबरों तथा आत्मनिर्भर बनने के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने छात्राओं को बताया कि सरकार द्वारा संचालित 1090 वूमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्पलाइन, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन जैसे तंत्र हर समय उनकी सुरक्षा के लिए सक्रिय हैं।संवाद के दौरान बच्चियों ने भी खुलकर अपने विचार रखे। अधिकारियों ने उनके हर प्रश्न का धैर्यपूर्वक उत्तर देते हुए उन्हें आगे बढ़ने और अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित किया। जिलाधिकारी ने कहा कि मिशन शक्ति केवल एक अभियान नहीं, बल्कि समाज में समानता और सम्मान की भावना स्थापित करने का जनआंदोलन है। उन्होंने सभी छात्राओं से आह्वान किया कि वे स्वयं सशक्त बनें और अन्य बालिकाओं को भी शिक्षित एवं जागरूक करें। छात्राओं में उत्साह और आत्मविश्वास देखने को मिला। सभी ने मिशन शक्ति की जानकारी वाले बुकलेट व पम्पलेट लेकर समाज में जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का शताब्दी वर्ष: उपखण्ड बिहारपुर (चांदनी) के महुली मंडल में राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत भव्य पथ संचलन एवं शस्त्र पूजन संपन्न

क्यूँ न लिखूँ सच/ बिहारपुर (चांदनी), राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के गौरवशाली शताब्दी वर्ष के अवसर पर रविवार को उपखण्ड बिहारपुर अंतर्गत महुली मंडल में ऐतिहासिक पथ संचलन एवं शस्त्र पूजन कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। यह आयोजन संघ के राष्ट्रनिर्माण, संगठन और सांस्कृतिक पुनर्जागरण के संदेश को ग्राम-ग्राम तक पहुँचाने के उद्देश्य से किया गया था। कार्यक्रम का शुभारंभ दोपहर 2 बजे शिव मंदिर प्रांगण से हुआ। प्रांगण स्वयंसेवकों के राष्ट्रगीतों और घोष वादन से गूंज उठा। पूर्ण गणवेश में सुसज्जित सैकड़ों स्वयंसेवकों ने अनुशासित पंक्तियों में एकत्र होकर पथ संचलन प्रारंभ किया। संचलन महुली के मुख्य मार्गों से गुजरता हुआ चोगा चौक तक पहुँचा। मार्ग में स्थानीय नागरिकों ने पुष्पवर्षा करते हुए भारत माता की जय और जय श्रीराम के नारों से वातावरण को गूंजायमान कर दिया। पथ संचलन के समापन उपरांत शिव मंदिर प्रांगण में पारंपरिक विधि-विधान से शस्त्र पूजन संपन्न हुआ। शंखनाद, घोष वादन, वंदेमातरम और संघ गीतों की स्वर लहरियों से पूरा परिसर राष्ट्रभक्ति से सराबोर हो गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रनसाय जी, मुख्य वक्ता माननीय दुर्गाचरण सिंह जी एवं उपखण्ड संघचालक माननीय रामरक्षा पाल जी विशेष रूप से उपस्थित रहे। वक्ताओं ने संघ के 100 वर्षों की ऐतिहासिक यात्रा, राष्ट्र जीवन में उसकी भूमिका तथा सामाजिक समरसता के संदेश पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि – संघ का उद्देश्य केवल संगठन नहीं, बल्कि एक ऐसे सशक्त और संस्कारित भारत का निर्माण है, जहाँ समाज का प्रत्येक व्यक्ति राष्ट्र के प्रति समर्पित हो। मुख्य वक्ता दुर्गाचरण सिंह जी ने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि – राष्ट्र निर्माण का यह शताब्दी वर्ष हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। हमें भारत की संस्कृति, संस्कार और एकता की रक्षा के लिए संघ की विचारधारा को जन-जन तक पहुँचाना होगा। इस अवसर पर क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिक, अभिभावक, महिला वर्ग, स्वयंसेवकों के परिजन और आसपास के गांवों से आए सैकड़ों नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय कलाकारों ने राष्ट्रभक्ति गीत प्रस्तुत किए, जिससे समारोह का वातावरण और भी उत्साहपूर्ण बन गया। पूरे महुली क्षेत्र में इस कार्यक्रम को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। जगह-जगह पर सजावट, भगवा ध्वज और बैनर से पूरा क्षेत्र देशभक्ति की भावना से रंगा हुआ नजर आया। अंत में प्रार्थना एवं राष्ट्रगीत के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। यह आयोजन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अनुशासन, संगठन शक्ति और राष्ट्र समर्पण का जीवंत प्रतीक बनकर इतिहास में दर्ज हो गया।

सड़क दुर्घटना रोकने के लिए लगाए जाएंगे 3510 सुरक्षा स्वयंसेवक, तहसीलवार होगी नियुक्ति; जानिए डिटेल

यूपी में सड़क दुर्घटना रोकने के लिए अब सड़क सुरक्षा स्वयंसेवकों को नियक्ति किया जाएगा। इनकी यह नियुक्ति तहसील स्तर पर होगी। सड़क दुर्घटनाओं को पचास प्रतिशत तक कम करने के उद्देश्य से प्रत्येक तहसील में दस सड़क सुरक्षा स्वयंसेवकों को तैनात किया जाएगा। कुल 3510 स्वयंसेवक यह जिम्मेदारी संभालेंगे। इन्हें मानदेय दिया जाएगा। परिवहन विभाग की ओर से इस बाबत शासन को प्रस्ताव भेजा गया है, जिसकी मंजूरी इस हफ्ते मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। ऐसा होने पर सड़क सुरक्षा को पुख्ता करने में खासी मदद मिलेगी। दरअसल, सड़क सुरक्षा में 50त्न कमी का लक्ष्य रखा गया है, जिसे हासिल करने के लिए परिवहन विभाग की ओर से %%5ई%% प्रस्ताव तैयार किया गया है। इसमें इंफोर्समेंट(प्रवर्तन), इंजीनियरिंग, एजुकेशन, इमजेंसी केयर व इवेल्यूएशन पर केंद्रित रोड सेफ्टी कार्यक्रम तैयार किया गया है। इस प्रस्ताव को पूर्व परिवहन आयुक्त बीएन सिंह ने तैयार किया था। उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं व मौतों में कमी लाने के लिए यह प्लान तैयार किया। इसके तहत प्रत्येक तहसील में 10 प्रशिक्षित स्वयंसेवक, कुल 3510 रोड सेफ्टी स्वयंसेवक तैनात किए जाएंगे। यह स्वयंसेवक स्कूल जोन मार्शलिंग, पैदलपथ, क्रॉसिंग सहायता, हेल्मेट-सीटबेल्ट काउंसलिंग, भीड़-प्रबंधन, वर्क-ज़ोन सुरक्षा-सहयोग, गुड-समैरिटन के बाबत जागरुकता फैलाएंगे। इसके अतिरिक्त जो प्रस्ताव भेजा गया है, उसमें एआरटीओ प्रवर्तन, पुलिस, शिक्षा, स्थानीय निकायों के बीच समन्वय बनाने, प्राथमिक उपचार, भीड़-प्रबंधन, ट्रैफिक-शिष्टाचार आदि को लेकर प्रशिक्षण देने का काम भी शामिल है। इसके अतिरिक्त स्वयंसेवकों को तीन हजार रुपये प्रतिमाह दिया जाएगा।गांवों-कस्बों तक नो हेलमेट, नो फ्यूल 5ई के तहत इंफोर्समेंट में नो हेलमेट, नो फ्यूल का विस्तार गांवों व कस्बों तक किया जाएगा। इसके अलावा इंजीनियरिंग के तहत ब्लैक व रेड स्पॉट पर कार्रवाई होगी। एजुकेशन में विद्यालयों, महाविद्यालयों गतिविधि-कैलेंडर, रोड सेफ्टी एंथम को लेकर जागरुकता कार्यक्रम चलाए जाएंगे। इमरजेंसी केयर में 108 के साथ निजी एम्बुलेंस, ट्रॉमा-तत्परता तथा इवेल्यूएशन में ई दिशा, आईरैड, वाहन, सारथी, ई चालान आदि की समीक्षा होगी।

संक्षिप्त समाचार

ग्राम किशुनपुरा में किसान को सांप ने काटा मौके पर मौत

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजेंद्र विश्वकर्मा / कोंच(जालौन) कोंच तहसील के ग्राम किशुनपुरा गांव निवासी प्रेम किशोर पुत्र बिहारी लाल अपने परिवार के साथ रहते है और वह एक किसान है बीते दिन वह अपने घर से खेत की तरफ गए हुए थे तभी वह कार्य कर रहे थे कि उनको एक जहरीले सांप ने काट लिया जब लोगो ने उन्हें सांप के काटे जाने की खबर परिजनों को दी तो परिजन उन्हें उरई ले जा रहे थे कि उरई में ही उनकी मृत्यु हो गई इस मामले को लेकर पुलिस पहुंच गई और पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्डम के लिये भेज दिया है इस घटी घटना को लेकर गांव में मातम पसरा हुआ है लोगो का कहना है कि मृतक एक किसान थे और काफी सीधे सज्जन व्यक्ति थे और वह मिलनसार थे उनकी मौत को लेकर लोग दुखी दिखे

चितरंगी पुलिस कोडिंग युक्त सिरप ड्रग्स और रेत पर की बड़ी कार्यवाही

क्यूँ न लिखूँ सच/ अनुपम कुमार द्विवेदी /सिंगरौली अंतर्राज्यीय ड्रग्स तस्करी और अवैध रेत खनन के खिलाफ । मुख्य बिंदु- ड्रग्स तस्करी के खिलाफ कार्रवाई चितरंगी पुलिस ने 25 सीसी कोडीन युक्त कोरेक्स सिरप और एक मोटरसाइकिल जब्त की। दो आरोपियों – रोहित कुमार सिंह और बिमलेश्वर कुमार बेस – को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के पास से मोबाइल फोन भी जब्त हुए। जब्त ड्रग्स की कीमत लगभग 1,19,050 बताई गई। मामला NDPS Act के तहत दर्ज कर जांच शुरू की गई। अवैध रेत खनन पर कार्रवाई पुलिस ने एक ट्रैक्टर में लदी रेत जब्त की। जब्त ट्रैक्टर की कीमत लगभग ?6 लाख आंकी गई। आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की जांच जारी है। पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री ने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम गठित की गई थी। नेटवर्क की जानकारी जुटाई जा रही है। किसी भी कीमत पर अपराधियों को बख्शा नहीं जाएगा। चितरंगी पुलिस ने अंतर्राज्यीय स्तर पर ड्रग्स तस्करी और अवैध रेत खनन के खिलाफ दो अलग-अलग मामलों में बड़ी कार्रवाई करते हुए कई लाख रुपये का माल जब्त किया और आरोपियों को गिरफ्तार कर जांच शुरू कर दी है।

'रन फॉर वूमेन एम्पावरमेंट' में उमड़ा जनसैलाब – मिशन शक्ति 5.0 के तहत महिलाओं ने संभाली सशक्तिकरण की बागडोर

क्यूँ न लिखूँ सच/ नीरण कुमार/महिला शक्ति के संग दौड़ा जालौन – बेटियों, छात्राओं, जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने दिया सशक्त संदेश जनपद एक स्वर में कह रहा नारी शक्ति ही राष्ट्र शक्ति है। मिशन शक्ति फेज 5.0 के अंतर्गत रविवार को जनपद जालौन की धरती पर महिला सशक्तिकरण का अद्भुत नज़ारा देखने को मिला। रन फॉर वूमेन एम्पावरमेंट कार्यक्रम में हजारों की संख्या में महिलाओं, छात्राओं, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, महिला आरक्षियों, ब्लॉक प्रमुखों, नगर निकायों की चेयरपर्सन एवं संभ्रांत महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पुलिस लाइन से टाउन हॉल तक निकली यह भव्य दौड़ जनसहभागिता का प्रतीक बनी। इसमें लगभग 5000 से अधिक बालिकाओं व महिलाओं ने भाग लेकर समाज में महिला सशक्तिकरण का सशक्त संदेश दिया। दौड़ के दौरान प्रतिभागियों ने महिला अधिकारों, सुरक्षा से जुड़े कानूनों एवं प्रावधानों के प्रति आम जनमानस को जागरूक किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष घनश्याम अनुरागी, विधान परिषद सदस्य रमा निरंजन, सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा, माधौगढ़ विधायक मूलचंद निरंजन, कालपी विधायक विनोद चतुर्वेदी, जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार एवं भारतीय जनता पार्टी जिलाध्यक्ष उर्विजा दीक्षित सहित जनपद के अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। मंच पर वक्ताओं ने कहा कि यह दौड़ केवल कदमों की गति नहीं, बल्कि महिलाओं की शक्ति, आत्मविश्वास और समाज में उनकी भूमिका का प्रतीक है। मिशन शक्ति के इस चरण में जालौन जनपद ने महिला सशक्तिकरण की नई मिसाल कायम की है, जहाँ महिलाओं ने स्वयं कार्यक्रम की पूरी जिम्मेदारी संभालकर यह सिद्ध किया कि वे हर क्षेत्र में नेतृत्व करने में सक्षम हैं। कार्यक्रम के समापन पर टाउन हॉल में उत्साह और गर्व का माहौल रहा। हर चेहरे पर आत्मविश्वास और गर्व की चमक थी। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी केके सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक प्रदीप कुमार, नगर मजिस्ट्रेट राजेश कुमार वर्मा, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट नेहा ब्याडवाल, सीओ सिटी अर्चना सिंह आदि सहित संबंधित अधिकारी जनप्रतिनिधि भारी संख्या में नारी शक्ति मौजूद रही।

Lentils are a boon for the skin. Just use them this way to look beautiful and see the results.

Lentils act as a natural remedy for our skin. They contain a good amount of protein, antioxidants, and vitamins, which help nourish the skin, remove blemishes, reduce tanning, and improve skin complexion. Let's learn how to use them. Lentils are rich in many nutrients. They are beneficial for health as well as the skin. Using them correctly is beneficial for health. The tradition of enhancing beauty with natural ingredients is centuries old in India, and lentils (red lentils) hold a prominent place in this tradition. Lentils are not only a nutritious lentil, but also a powerful beauty ingredient for the skin. Rich in protein, iron, vitamin B1, fiber, and antioxidants, they deeply cleanse and nourish the skin. They help improve skin complexion, remove tanning, reduce acne, and maintain youthfulness. So, let's learn how lentils are beneficial for the skin, how to use them, and some key information. Benefits of lentils for the skin: Remove dead skin - Lentil is an excellent exfoliator, removing dead skin cells and providing a new glow. Reduce blemishes - The natural bleaching agents present in lentils lighten blemishes, spots, and tan. Balance oily skin - Lentils absorb excess oil and give the skin a matte finish. Anti-aging properties - The antioxidants present in lentils reduce wrinkles and keep the skin firm. Helpful in skin brightening - Regular use of a mask made from lentils can enhance and even out skin tone. Ways to use lentils: Glowing face pack - Soak 2 teaspoons of lentils in water overnight. In the morning, grind them finely and add 1 teaspoon of milk and a few drops of rose water. Apply it to the face and neck and wash it off after 15-20 minutes. Exfoliating Scrub - Coarsely grind dry lentils. Add 1 teaspoon of honey and 1/2 teaspoon of lemon juice. Gently scrub your face for 2-3 minutes, then rinse with water. Mask for Acne and Blemishes - To get rid of these skin problems, mix 1/2 teaspoon of turmeric and 1 teaspoon of sandalwood powder with lentil powder. Add rose water to make a paste and apply only to the affected areas. Keep in mind that those with dry skin should add cream, yogurt, or coconut oil. Do a patch test on sensitive skin first. Use no more than 2-3 times a week. Lentil is a multipurpose and natural beauty remedy. Regular use keeps skin healthy, glowing, and youthful. This is a home remedy that nourishes your skin from within without causing any chemical reactions.

A bizarre trend of tattooing teeth is rapidly growing in China, compromising health for fashion.

A strange trend is rapidly going viral among young people in China: tattooing teeth. People are getting motivational messages like "Get Rich" or "Success" inked on their teeth. This trend is spreading rapidly on social media and has sparked debate about whether it's merely a style statement or a serious threat to oral health. A new trend of tattooing teeth is emerging in China. Dental clinics and hospitals are promoting this trend. Some people consider it "cute," while others consider it disgusting. A strange trend is currently gaining traction in China: tattooing teeth. Yes, you read that correctly. While people around the world get tattoos on various parts of their bodies, some young people are now making their teeth a fashion statement. The words and designs tattooed on teeth are going viral on social media, but they are also raising serious health concerns. Let's learn about it in detail. How are teeth tattoos created? This trend is becoming especially popular among the younger generation. Many private hospitals and dental clinics in China are creating special "dental crowns." These 3D-printed crowns are made from extremely strong materials and allow individuals to have a word or design engraved on them. Some hospitals are offering them as attractive offers—some offer them for free, while others charge up to 2,000 yuan (about Rs. 23,000). Why is this craze among young people? Young people say that having a unique word or design on their teeth will look "cool." One young woman got "Caution" tattooed on her tooth, saying it makes her stylish and unique. Many people on social media are calling it "cute," while others are calling it strange and even disgusting. Toothache behind the glitz While this trend is becoming a symbol of fashion and style, dental experts disagree. Dentists say that any type of carving or design can damage the structure and strength of teeth. One expert clearly stated, "No matter how strong a crown is, tattooing it reduces its strength. In the long run, this can prove detrimental to dental health." Why tamper with teeth for fashion? This trend of tattooing teeth may be a new way to look attractive and different, but the risks associated with it cannot be ignored. It is not right to compromise on health in the race for fashion. After all, teeth are not only a part of our smile, but are also directly linked to our health.

Is there love between you two or just trauma bonding? Find out in time with these 5 signs

Is your relationship based on love, or are you only connected by painful experiences? Sometimes we mistake trauma bonding for true love. Trauma bonding occurs when two people go through a traumatic or negative experience and are drawn closer together by that pain. This can be an emotional trap that is difficult to break free from. Trauma bonding causes insecurity in a relationship. Gradually, such a relationship negatively impacts mental health. You can recognize this situation with the help of some signs. Did you know that the relationship that should make you feel the most secure in the world can sometimes become the source of the most pain? This isn't just love; it could be an emotional entanglement called trauma bonding. This occurs when two people go through a traumatic experience and the threads of that pain connect them together. It may seem like love on the outside, but deep inside, this relationship continues to weaken you. In this article, let's share 5 signs of trauma bonding. Constant turmoil - A healthy relationship brings a sense of comfort and security, but if your relationship is constantly rife with conflict, disagreements, or emotional drama, it could be a sign of trauma bonding. You both go through pain, then forgive each other, only to fall back into the same cycle. Fear of separation - If you feel incomplete without this person, or if the fear of loneliness keeps you in this relationship, it's not love. In trauma bonding, a person becomes so emotionally dependent on the other person that they can't imagine leaving, even if the relationship is toxic. Justifying flaws - When a partner hurts you and you find excuses to forgive their mistakes, this is a big sign. For example, "He does this because he didn't have a good childhood." In love, you solve problems, not justify them. Feeling more pain than happiness - If you remember the sad moments in your relationship more than the happy ones, it's something to consider. Sadness, insecurity, and mental stress are common in trauma-bonding relationships, whereas love is characterized by mutual understanding and happiness. Distancing yourself from others - Are you distancing yourself from friends or family because of this relationship? Often, partners in trauma-bonding distance you from others, or you become isolated because you feel no one will understand your relationship. A true relationship connects you with your loved ones, not distances you.

Who is Rakshit Shetty? Rashmika was supposed to be his bride before Vijay Deverakonda, why did the relationship break?

Rashmika Mandanna and Vijay Deverakonda are about to begin a new chapter in their lives. Reports suggest they are engaged and are planning a wedding in February next year.

Meanwhile, a photo of the out who Rakshit Shetty was engagement was broken news of the engagement has sparked jubilation among constantly congratulating the engagement news, it's getting engaged in February Rashmika, some old photos Shetty. Who is Rakshit, the relationship break? Read news of Rashmika and Vijay's Rakshit went viral. Now, engagement ring. The Kannada film industry. He gained recognition with the "Godhi Banna Sadharana His biggest hit is "777 and Rashmika Mandanna couple played the lead roles. loved them together. ceremony in Virajpet, off their engagement in 2018. to end their relationship. How Glitz Telugu, Rakshit Shetty breakup. Rakshit stated that he doesn't speak to the actress regularly. He explained that they wish each other whenever a film releases, and they talk on birthdays and special occasions. Even after the breakup, they have mutual respect for each other.

actress's previously broken engagement is rapidly going viral. Let's find once engaged to. Rashmika was engaged to Rakshit Shetty in 2017, but the within a year. Who is Rakshit Shetty, the actress's first love? The recent between Thamma actress Rashmika Mandanna and Vijay Deverakonda fans. Fans, who have been waiting for their engagement for a long time, are couple on social media. Although neither star has yet reacted to the reported that Vijay Deverakonda's team has confirmed that the two are 2026. Amidst this joyous moment between Vijay Deverakonda and from the actress's engagement are going viral, showing her with Rakshit man Rashmika got engaged to after a year of dating, and why did their every detail in the news: Who is Rashmika's ex-fiancé Rakshit Shetty? When engagement broke a few months ago, an old photo of the actress with those same photos have resurfaced, showing Rashmika flaunting her "Animal" actress's ex-fiancé, Rakshit Shetty, is a well-known actor in the began his career in 2010 with the film "Namma Ariyal Ond Dina," but 2014 film "Ulidavaru Kandanthe." He subsequently starred in films like Mykattu," "Kirik Party," "Avane Srimannarayana," and "777 Charlie." Charlie." Their engagement was called off within a year. Rakshit Shetty first met on the sets of the Kannada film "Kirik Party," in which the ex-Their onscreen chemistry soon blossomed off-screen, and South Indian fans Rashmika and Rakshit got engaged on July 3, 2017, during a private Karnataka. However, their love didn't last long, leading to the couple calling Reports suggest that compatibility issues led to the couple's mutual decision is Rashmika's relationship with her ex-fiancé? In an interview with India recently addressed whether there's any bitterness between them after the

It's confirmed! These stars are coming to make a splash in the upcoming 8-episode series, releasing on Netflix.

The star cast of Hollywood actress Quinn Shepherd's upcoming web series, "The Body," has been revealed. This eight-episode teen drama series features well-known stars playing key

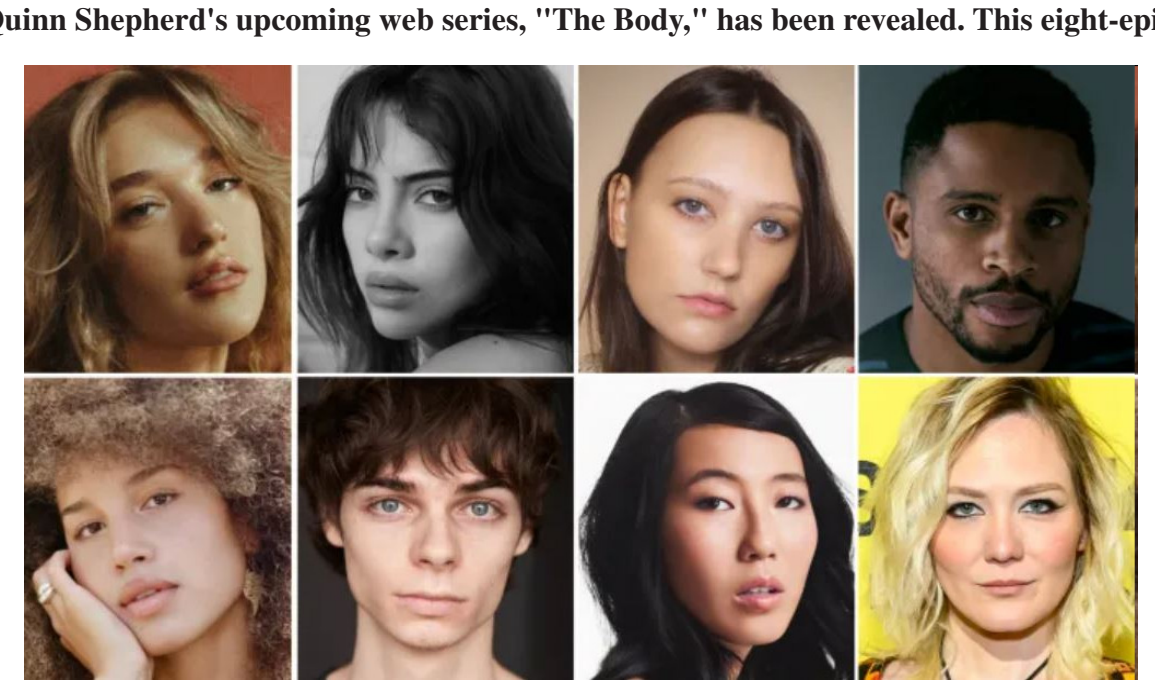

roles. There has been considerable seen in the series. A new series is producing the new series. The series producer, and director Quinn surrounding her upcoming web Body" has finally been revealed. the series was announced, people now the wait is over. The Body series' characters in this web series has been Boustany (Elise Zachariah), Gina Franklin), Louisa Krause (Katherine Anderson), and Sofia Wylie (Grace star cast of Quinn Shepherd's series its release date. While it hasn't yet certain that this 8-episode series will dance team who discover something will direct the first episode of the

buzz surrounding "The Body," so now we know who will be about to be released on OTT platforms. Quinn Shepherd is will be released on an OTT platform. Hollywood actress, Shepherd is ready to wreak havoc again. There has been buzz series, "The Body," for a long time. Now, the star cast of "The Quinn Shepherd is producing the 8-episode series. Ever since have been eager to know about its release date and cast. But star cast - The Body is a teen drama. The cast list of the main revealed. The series stars Kristina Bogic (as Anya Butler), Sara Meszaros (Lisbeth Anderson), Nnamdi Asomugha (Father Anderson), Shirley Chen (Maddie Delaney), Jackson Kelly (Leo Franklin). When will The Body series be released? - After the The Body was revealed, the only thing left to be confirmed is been confirmed when the series will be released on OTT, it is be released on Netflix. The story is said to revolve around a that creates a disastrous situation in their town. Quinn herself series. Who is Quinn Shepherd? - Let's talk about Quinn Shepherd. She is a veteran Hollywood actress. She is known for films and series like Christmas, Hostages, and Unaccompanied Minors. In 2017, she made her directorial debut with the film Blame. Quinn, 30, has also produced several series and films.

Who is Steve Jobs' youngest daughter? She outshines heroines in beauty, but excels in talent.

The youngest daughter of Apple co-founder Steve Jobs may not have entered the business world like her father, but she has established herself in the glamour world. Recently, her photos went viral on social media. Let us tell you who Eve Jobs is. Steve Jobs' daughter is associated with the entertainment industry. Steve Jobs' daughter has a fan following in the millions - at the age of 27, she wreaks havoc with her beauty. Apple co-founder and late CEO Steve Jobs has four children who, like their father, tried their luck in various professions instead of making a name for themselves in the business world. His youngest daughter did the same. Steve Jobs' youngest daughter is Eve Jobs. She is 27 years old and has become a well-known name in the modeling world. Recently, Eve Jobs attended the Milan Fashion Show, capturing everyone's attention with her simple yet stylish look. Photos of Steve Jobs' daughter went viral. Eve Jobs shared her photos on her Instagram account, and you won't be able to blink an eye after seeing them. She kept her look simple. She wore gray wide-leg pants with a black high-neck. Eve Jobs completed her look with open hair, nude makeup, and minimal accessories. These photos of the model have gone viral online, and people can't stop praising her beauty. Comments like "stunning," "gorgeous," "beautiful" are pouring in. Many people are simply enamored with her hair. She even outshines heroines in terms of beauty and style. How educated is Steve Jobs' daughter, Eve? Born on July 9, 1998, in Palo Alto, California, Eve is the youngest daughter of Steve and Laurene Powell Jobs. After studying at Upper Ashlawn Academy in Florida, she enrolled at Stanford University and earned a degree in Science, Technology, and Society in 2021. Besides modeling, Eve is also an expert in this field. Instead of relying solely on her father's legacy, she has proven herself in the world of modeling and horseback riding. According to Horse Sport, as of 2019, she was ranked fifth in the world among riders under the age of 25. Eve entered the modeling world in 2020 and became a sensation. She has also wowed at the Met Gala. 27-year-old Eve married British Olympian Harry Charles this year.